

नेपाल त्रासदी : 5000 लापता मृतकों की संख्या हुई 1344

काठमांडू। नेपाल में आई फ्लैश फ्लड से मची भीषण तबाही में मृतकों की संख्या बढ़कर 1,344 तक पहुंच गई है, जबकि 5 हजार से अधिक लोग अब भी लापता हैं। नेपाल पुलिस और बचाव दल प्रभावित क्षेत्रों से लगातार शव बरामद कर रहे हैं। नेपाल पुलिस के अनुसार, बचाव दल लगभग 5,000 लोगों की तलाश कर रहे हैं, जिनमें कम से कम 589 विदेशी नागरिक शामिल हैं, जो अभी भी लापता हैं, जबकि 13,100 से ज्यादा लोगों को बचाया जा चुका है।



तिब्बत में 500 से ज्यादा लापता

ज्ञात हो कि 26 अगस्त को नेपाल-तिब्बत सीमा के पास बर्फ और चट्टान के खिसकने से आई अचानक बाढ़ ने उत्तरी और मध्य नेपाल के कस्बों और गांवों को तबाह कर दिया। हिमालयी सीमा क्षेत्र से दक्षिण की ओर बहने वाली भोटेकोशी नदी बाढ़ का पानी निचले इलाकों में ले गई, जिससे घर, गाड़ियां, सड़कें और पुल बह गए और पनबिजली परियोजनाएं क्षतिग्रस्त हो गईं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि कास्की जिले में निर्माणधीन 24 एमडब्ल्यू सुपर सेती पनबिजली परियोजना की पहुंच सड़क पर भूस्खलन में गंभीर रूप से घायल हुए दो श्रमिकों की शनिवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। चीनी मीडिया की खबरों के अनुसार, इस आपदा में चीन

की तरफ कम से कम 21 लोगों की मौत हुई, जबकि तिब्बत में 500 से ज्यादा लोग लापता हैं। अधिकारियों ने बताया कि नेपाल में अब तक मिले कुल शवों में से 85 बच्चे थे, जबकि 501 शवों के कुछ अंग गायब थे। अकेले चितवन में 360 शव मिले, जो सभी जिलों में सबसे ज्यादा हैं। अधिकारियों के अनुसार, पहचान के बाद अब तक केवल 98 शव ही परिवारों को सौंपे गए हैं। नेपाल के अस्पतालों को बिना पहचान वाले शवों की बढ़ती संख्या से निपटने में मुश्किलों का सामना करना पड़ा। मेडिकल सेंटर्स पर लोगों की भारी भीड़ जमा होती रही, वे लापता रिश्तेदारों की तस्वीरें लिए हुए थे और दीवारों पर लगी मृतकों की तस्वीरों को ध्यान से देख रहे थे।

इसरो के निजीकरण पर 9 यूनियनों ने लिखी चिट्ठी



बेंगलुरु। भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने के सरकार के फैसले के छह साल बाद पहली बार, इसरो केंद्रों के नौ कर्मचारी संघों ने इस बदलाव की दिशा और इसके आधार को लेकर औपचारिक रूप से चिंता जाहिर की है। अंतरिक्ष विभाग के तहत हजारों कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले इन संघों ने अंतरिक्ष आयोग के अध्यक्ष से इस मुद्दे पर लिखित स्पष्टीकरण मांगा है, जो डीओएस के सचिव और इसरो अध्यक्ष भी हैं। 4 सितंबर को सौंपे गए भविष्य की भूमिका को लेकर भी स्पष्टता मांगी है।

भागीदारी एक मजबूत और सार्वजनिक स्वामित्व वाले इसरो के साथ सह-अस्तित्व में रह सकती है। लेकिन बिना किसी चर्चा के ऐसी नीति को स्वीकार नहीं किया जा सकता, जो इसरो को केवल एक ऋण बुरीक यानी रिसर्च और डेवलपमेंट तक सीमित बना दे और देश के लॉन्च वाहनों का निर्माण और संचालन सार्वजनिक हाथों से बाहर चला जाए। कर्मचारियों ने इसरो द्वारा विकसित तकनीक को राष्ट्रीय संपत्ति बताते हुए कहा कि इसका हस्तांतरण पारदर्शी, जवाबदेह और रणनीतिक सुरक्षा और रोजगार के हितों के अनुकूल होना चाहिए। कर्मचारी संघों ने इन-स्पेस के अध्यक्ष पवन गोयनका के हालिया सार्वजनिक बयान का भी जिक्र किया, जिसमें कथित तौर पर कहा गया था कि इसरो अंततः किसी भी लॉन्च वाहन का निर्माण नहीं करेगा। संघों ने सवाल पूछा है कि क्या गोयनका का बयान भारत सरकार, अंतरिक्ष आयोग या अंतरिक्ष विभाग का स्वीकृत निर्णय है? यदि हां, तो इस नीतिगत फैसले की तारीख और आधिकारिक जानकारी सझा की जानी चाहिए। यूनियनों ने पीएसएलवी, एलवीएम-3 और एसएसएलवी जैसे वाहनों के डिजाइन, विकास, एकीकरण, परीक्षण और लॉन्चिंग में इसरो की भविष्य की भूमिका को लेकर भी स्पष्टता मांगी है।

एआईएम कांग्रेस 2026 में प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे डॉ. मोहन यादव

एमपी के विकास और निवेश संभावनाएं निवेशकों के समक्ष की जाएंगी प्रस्तुत

समय जगत, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार से 9 सितंबर 2026 तक संयुक्त अरब अमीरात के दुबई यात्रा पर रहेंगे। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल एआईएम कांग्रेस-2026 में सहभागिता करेगा। मुख्यमंत्री की यह यात्रा मध्यप्रदेश के वैश्विक निवेश संपर्कों को सुदृढ़ करने, अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों के समक्ष राज्य की आर्थिक एवं औद्योगिक क्षमताओं को प्रस्तुत करने और नई निवेश साझेदारियों को गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव दुबई के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में आयोजित एआईएम कांग्रेस-2026 में मध्यप्रदेश की निवेश क्षमता, औद्योगिक आधार और विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध निवेश अवसरों को वैश्विक उद्योग जगत के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। यात्रा के दौरान इन्वेस्ट मध्यप्रदेश विषय पर विशेष सत्र भी प्रस्तावित है, जिसमें मुख्यमंत्री राज्य के निवेश-अनुकूल वातावरण और औद्योगिक विकास की संभावनाओं पर प्रकाश डालेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है

कि मध्यप्रदेश भारत के तेजी से उभरते औद्योगिक और निवेश गंतव्यों में अपनी सशक्त पहचान बना रहा है। राज्य में उपलब्ध संसाधन, बेहतर आधारभूत संरचना, उद्योग-अनुकूल वातावरण और निवेशकों के लिए विकसित सुविधाएं प्रदेश को निवेश के लिए आकर्षक बनाती हैं। हमारा प्रयास है कि वैश्विक निवेशकों के साथ मजबूत साझेदारी स्थापित कर आकर्षक बनाती हैं। हमारा प्रयास है कि वैश्विक निवेशकों के साथ मजबूत साझेदारी स्थापित कर

लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संपर्क एवं सहभागिता को बढ़ावा देना भी है। यात्रा में संयुक्त अरब अमीरात सरकार को ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2027 में पार्टनर कंट्री के रूप में आमंत्रित करने के प्रयास किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव एआईएम कांग्रेस के उद्घाटन समारोह, वैश्विक नेतृत्व से जुड़े कार्यक्रमों तथा विभिन्न निवेश और व्यावसायिक बैठकों में सहभागिता करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मध्यप्रदेश मंडप का अवलोकन भी करेंगे और वैश्विक कॉर्पोरेट समूहों के साथ वन-टू-वन बैठकों में मध्यप्रदेश में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे।

से जुड़े कार्यक्रमों तथा विभिन्न निवेश और व्यावसायिक बैठकों में सहभागिता करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मध्यप्रदेश मंडप का अवलोकन भी करेंगे और वैश्विक कॉर्पोरेट समूहों के साथ वन-टू-वन बैठकों में मध्यप्रदेश में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे।

इन्दौर में 11-12 सितम्बर को होगी ‘यात्री परिवहन विजन समित

समय जगत, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में आधुनिक परिवहन व्यवस्था के विस्तार के साथ सुरक्षित सफर और ग्रीन मोबिलिटी को प्रोत्साहित करना प्राथमिकता दी जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एक्स पर कहा कि मध्यप्रदेश में सुरक्षित, सुगम और पर्यावरण अनुकूल यात्री परिवहन व्यवस्था को नई दिशा देने के उद्देश्य से आगामी 11 एवं 12 सितम्बर को इंदौर में ‘यात्री परिवहन विजन समिट-2026’ का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश का संकल्प है कि हर यात्री को सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक परिवहन मिले। सार्वजनिक

परिवहन को आधुनिक, पर्यावरण-अनुकूल और प्रभावी बनाने में सार्वजनिक-निजी भागीदारी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। यात्री परिवहन विजन समिट इसी दिशा में भविष्य की ठोस रूपरेखा तैयार करेगा। उल्लेखनीय है कि समिट में मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण तथा इसमें सार्वजनिक-निजी भागीदारी की भूमिका पर विशेषज्ञों, निवेशकों और नीति-निर्माताओं द्वारा विचार-विमर्श किया जाएगा। समिट का फोकस सुरक्षित परिवहन के साथ हरित परिवहन और बेहतर मोबिलिटी की दिशा में नए अवसर तलाशने पर केंद्रित रहेगा।

मध्यप्रदेश सेमीकंडक्टर क्षेत्र में निभाएगा अग्रणी भूमिका: मुख्यमंत्री

समय जगत, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सेमीकंडक्टर क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को नई गति देने के लिए मध्यप्रदेश अग्रणी भूमिका निभाने को तैयार है। मुख्यमंत्री ने एक्स पर कहा कि राज्य में अत्याधुनिक तकनीक, निवेश और नवाचार के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया जा रहा है, जिससे मध्यप्रदेश देश के उभरते सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम का महत्वपूर्ण केंद्र बन सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सेमीकंडक्टर तकनीक भारत के आत्मनिर्भर और विकसित भविष्य की आधारशिला है। देश में तकनीकी क्षेत्र में हो रहे बदलाव और विकास में मध्यप्रदेश भी सहभागी बन रहा है। सेमीकंडक्टर इंडिया प्रोग्राम 2.0 में मध्यप्रदेश अपनी भूमिका मजबूत कर रहा है। केंद्र सरकार द्वारा 6 राज्यों में 12 सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को मंजूरी दिए जाने के बाद इस क्षेत्र में देश की गति तेज हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश अपनी नीतिगत पहल, निवेश-अनुकूल वातावरण और औद्योगिक क्षमता के जरिए इस राष्ट्रीय अभियान को नई ऊंचाई देगा। उल्लेखनीय है कि इंदौर में अगले महीने 23-24 अक्टूबर को ‘एमपी सेमीकंडक्टर समिट-2026’ का आयोजन किया जा रहा है। समिट में देश-विदेश के निवेशक, तकनीकी विशेषज्ञ और नीति-निर्माता एक मंच पर जुटेंगे।

सड़क हादसे में 3 लोगों की मौत

तिरुवनंतपुरम। केरलम के त्रिशूर जिले में तेज रफ्तार कार ने मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को इस घटना की जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, मृतकों की पहचान मुनीर (35), शिफना (24) और उनके तीन वर्षीय बेटे एमिल एबेक के रूप में हुई है। ये सभी एडकाझियूर के निवासी थे। यह दर्दनाक हादसा शनिवार आधी रात के आसपास हुआ। जानकारी के अनुसार, जब यह दुर्घटना हुई, तब कार अत्यधिक तेज गति में थी और उसने परिवार की मोटरसाइकिल को सीधे टक्कर मार दी। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना के वक्त

कार का ड्राइवर कथित तौर पर नशे में था। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कार और उसमें सवार दो अन्य यात्रियों को हिरासत में ले लिया है, जबकि मुख्य आरोपी कार ड्राइवर अभी भी फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है। इस भीषण हादसे में कार और मोटरसाइकिल दोनों ही पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए हैं। केरलम के त्रिशूर जिले में नेशनल हाईवे-66 पर रविवार तड़के एक टिप्पर लॉरी और कार की टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। मरने वाले लोग कूमाना के रहने वाले थे। कार में उनके साथ यात्रा कर रहे तीन घायलों को कोझिकोड मेडिकल कॉलेज के केजुअल्टी वार्ड में ले जाया गया।

तमिलनाडु के मंदिर में मिला दुर्लभ शिलालेख

दर्ज है सोने के दान का सदियों पुराना इतिहास

चेन्नई। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को तमिलनाडु के मथिलादुथुरई जिले के थेरलुंधुर स्थित वेदपुरीश्वर मंदिर में चोल सम्राट राजाराज चोल प्रथम द्वारा जारी एक नया शिलालेख मिला है। यह शिलालेख 1003 ईस्वी का है, जो चोल राजा के शासनकाल का 18वां वर्ष था। इसे मंदिर के अर्धमंडप यानी आधा खुला प्रवेश हॉल के एक पत्थर के खंभे पर खोजा गया है। इस शिलालेख में मंदिर को दिए गए सोने के दान का विस्तृत विवरण मिलता है। तमिल भाषा में लिखे गए इस शिलालेख में तिरुवङ्गुतुर की महासभा द्वारा 21 कलंजू सोने के दान का उल्लेख है। यह महासभा एक



ब्रह्मदेय यानी ब्राह्मणों को दी गई कर-मुक्त भूमि थी। यह दान तिरुक्कदवुदेया नयनार देवता को भोजन अर्पित करने के लिए दिया गया था। कलंजू सोने को मापने की एक प्राचीन इकाई है, जो लगभग 4.5 ग्राम के बराबर होती है। एएसआई के निदेशक मुनिरत्नम रेड्डी ने बताया कि शिलालेख में कहा गया है कि इस दान राशि से मिलने वाले ब्याज का उपयोग धान की खरीद और देवता को चढ़ाए जाने वाले दैनिक प्रसाद से जुड़ी अन्य आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए किया जाना था। इस विशेष मंदिर में राजाराज चोल के पुत्र राजेंद्र चोल प्रथम सहित विभिन्न चोल राजाओं के शिलालेख मौजूद हैं।

सिक्किम के मंगन में भूस्खलन: पहाड़ी दरकने से तीस्ता नदी का प्रवाह प्रभावित

गंगटोक। उत्तर सिक्किम के मंगन जिले में शनिवार देर रात से रविवार सुबह के बीच हुए बड़े भूस्खलन से तीस्ता और च्याकोड नदियों का प्रवाह प्रभावित हुआ है। भूस्खलन नागा वन क्षेत्र में नए नागा-तोंसा मार्ग की सड़क कटिंग के ऊपर, थेंग सुरंग के सामने च्याकोड नदी के ऊपरी हिस्से में हुआ। यह स्थान ओसी भीर के सामने तीस्ता और च्याकोड नदियों के संगम के पास स्थित है। भूस्खलन के कारण पहाड़ी का एक बड़ा हिस्सा टूटकर नीचे आ गया, जिससे दोनों नदियों के प्रवाह में आंशिक रुकावट पैदा हुई। कुछ समय के लिए तीस्ता नदी का प्रवाह भी प्रभावित हुआ। हालांकि, फिलहाल तीस्ता का पानी सामान्य रूप से बह रहा है।

निचले इलाकों में अलर्ट हुआ जारी

शिक्षक दिवस पर

हार्दिक शुभकामनाएं

पंकज कुशवाहा

अध्यापक

पी के की पाठशाला आवासीय हॉस्टल , पी.के. फिजिक्स क्लासेज गुरुसराय

शिक्षक दिवस पर सभी को

हार्दिक शुभकामनाएं

जितेन्द्र सिंह पटेल

जिला पंचायत सदस्य

प्रतिनिधि भसनेह

अध्यापक खेर इण्टर कॉलेज गुरुसराय

वाशिंगटन।

मिडिल ईस्ट में बढ़ते सैन्य तनाव के बीच अमेरिकी केंद्रीय कमान ने एक वीडियो जारी कर ओमान की खाड़ी में ईरानी तेल टैंकर एम/टी काइलो के जलकर डूबने का दावा किया है। वीडियो में ईरानी तेल टैंकर आग की लपटों में घिरने के बाद डूबता हुआ दिखाई दे रहा है।

सैंटकॉम के अनुसार, यह कार्रवाई ईरानी सेना द्वारा दो अमेरिकी युद्धपोतों पर दागी गई बैलिस्टिक मिसाइलों के जवाब में की गई, अमेरिका द्वारा ईरान के तीन कच्चे तेल वाहक जहाजों को निशाना बनाया गया। अमेरिकी केंद्रीय कमान ने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए डूबने वाले टैंकर की पहचान एम/टी काइलो के रूप में की। सैंटकॉम ने लिखा, अमेरिकी

सैन्य बलों की सटीकता और पेशेवर दक्षता के कारण एम/टी काइलो आज ओमान की खाड़ी में डूब गया और समुद्र की गहराई में ईरानी नौसेना का हिस्सा बन गया। अमेरिकी केंद्रीय

एमटी काइलो पूरी तरह हुआ नष्ट

हालांकि, ईरान द्वारा किए गए हमले को लेकर अमेरिकी सैंटकॉम का कहना है कि एक अमेरिकी विमानवाहक पोत और एक निर्देशित मिसाइल विध्वंसक कई ईरानी हमलों से बच निकले। अमेरिकी सेना ने कहा कि उसने खार्ग द्वीप के पास एम/टी डाउनी और जास्क के पास एम/टी स्टार्क 1 को स्थायी रूप से निष्क्रिय कर दिया। वहीं, ओमान की खाड़ी में एम/टी काइलो पूरी तरह नष्ट होकर डूब गया। इसके बाद अमेरिकी युद्ध सचिव पीट हेगसेथ ने ईरान को चेतावनी दी कि अगर ईरानी सेना अमेरिकी नौसेना के जहाजों पर हमला करती है तो वाशिंगटन उसके तेल टैंकरों को निशाना बनाएगा।

कमान (सैंटकॉम) ने एक वीडियो जारी किया है जिसमें ओमान की खाड़ी में एक ईरानी तेल

टैंकर आग की लपटों में घिरने के बाद डूबता हुआ दिखाई दे रहा है। इसने ईरान को चेतावनी भी दी है कि अमेरिकी युद्धपोतों पर किसी भी हमले का भारी आर्थिक परिणाम भुगतना पड़ेगा। ईरान की इस्लामिक रिवालयूशनरी गार्ड कॉर्पस ने दावा किया है कि उसने अपने जहाजों की नाकाबंदी और परेशानी का जवाब देते हुए एक अमेरिकी विमानवाहक पोत और विध्वंसक पोत पर कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं, जिससे अमेरिकी युद्धपोतों को नुकसान पहुंचा और पीछे हटने को मजबूर हो गए। आईआरजीसी का आरोप है कि ये दोनों युद्धपोत ईरानी जहाजों को परेशान कर रहे थे और ईरान के खिलाफ नौसैनिक नाकाबंदी में भाग ले रहे थे।

मरीजों के उपचार व्यवस्था की मानीटरिंग का बनाएं माइयूल: डिप्टी सीएम श्री शुक्ल

उप मुख्यमंत्री ने उपचार व्यवस्था बेहतर करने के दिए निर्देश

समय जगत, रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने मेडिकल कॉलेज सभागार रीवा में आयोजित बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रोगियों के उपचार व्यवस्था की सघन मानीटरिंग आवश्यक है। आयुक्त स्वास्थ्य विभाग गंभीर रोगियों के उपचार

और निगरानी का माइयूल बनाकर प्रदेश के सभी मेडिकल कालेजों में लागू करें। गंभीर रोगियों को सीनियर और विशेषज्ञ डॉक्टरों अनिवार्य रूप से देखें। मेडिकल कालेज के अस्पतालों में सीनियर डॉक्टर से लेकर नर्स तक की जिम्मेदारी तय करें। सीनियर डॉक्टरों तथा गंभीर रोगियों के उपचार के लिए एसओपी तैयार करें। अस्पतालों में आने वाले प्रत्येक रोगी को स्वस्थ करने का सेवा भाव से प्रयास करना डॉक्टरों की जिम्मेदारी है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि मेडिकल कालेज में सीटें बढ़ी हैं। अस्पतालों में उपचार सुविधाओं का भी

तेजी से विस्तार हो रहा है। मेडिकल कालेज और अस्पतालों के लिए आवश्यक मानव संसाधन की व्यवस्था करें। नर्सों की भर्ती शुरू की जा रही है। इससे नर्सों की कमी दूर होगी। संजय गांधी अस्पताल के गायनी विभाग में रीवा के साथ-साथ आसपास के कई जिलों के रेफरल मरीज आते हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों और जिला चिकित्सालय में भी गर्भवती



महिलाओं के उपचार तथा सिजेरियन की उचित व्यवस्था करें जिससे संजय

गांधी अस्पताल में रोगियों का दबाव कुछ कम हो। रोगियों को बेहतर उपचार

सेवा देने के संबंध में मेडिकल कालेज के विभागाध्यक्ष और सीनियर डॉक्टर पूरी तरह से सक्षम हैं। मानीटरिंग करके व्यवस्थाओं को बेहतर करने की आवश्यकता है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सीनियर डॉक्टर ओपीडी में सेवाएं देते हैं। इसके साथ-साथ मेडिकल कालेज में डॉक्टरों को पढ़ाते हैं। संजय गांधी हास्पिटल के वार्डों का निरीक्षण करना भी उनके प्रोटोकाल में शामिल है। इन सब कार्यों को सही मानीटरिंग व्यवस्था से व्यवस्थित करें। विभागाध्यक्ष और डीन मिलकर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें।

बैठक में वीडियो कान्फ्रेंसिंग से शामिल आयुक्त स्वास्थ्य विभाग एस धनराज ने कहा कि बैठक में दिए गए निर्देशों का पूरी तरह से पालन किया जाएगा। मेडिकल कालेज के अस्पताल के साथ-साथ सभी अस्पतालों में उपचार व्यवस्था की मानीटरिंग के लिए समुचित प्रबंध किए जाएंगे। बैठक में मेडिकल कालेज के डीन डॉ. सुनील अग्रवाल, संजय गांधी अस्पताल के अधीक्षक डॉ. प्रियंक शर्मा, अधीक्षक सुपर स्पेशलिटी डॉ. अक्षय श्रीवास्तव, डॉ. मनोज इंदुलकर, डॉ. नरेश बजाज तथा मेडिकल कालेज के सभी फैकल्टी के विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे।

प्राथमिक शाला नाना का बाग परिसर में भरा पानी, हो रही परेशानी



विदिशा। जिला मुख्यालय स्थित कलेक्टरेट कार्यालय के पीछे नाना का बाग भगत सिंह कॉलोनी में स्थित शासकीय प्राथमिक शाला नाना का बाग स्कूल की हकीकत जानना है तो स्कूल जाकर देखें और अपने आप स्पष्ट हो जाएगा कि बच्चे और शिक्षक किस परेशानी से गुजर रहे हैं। स्कूल परिसर में पानी भरा होने के कारण बच्चों को आने-जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वहीं स्कूल परिसर में बच्चों के लिए बने शौचालय भी क्षतिग्रस्त हो चुके हैं और हैंडपंप के आसपास कीचड़ होने के कारण बच्चों को पीने का पानी मुश्किल भरा होता है। हालांकि शिक्षा विभाग द्वारा जिले के सभी शासकीय प्राथमिक और मिडिल स्कूलों में सभी व्यवस्थाएं होने के दावे किए जाते हैं, लेकिन जब जिला मुख्यालय के ही हाल बेहाल है तो ग्रामीण क्षेत्रों में क्या हाल होगा।

बताया की स्कूल परिसर के पानी की निकासी न होने के कारण पानी भरा रहता है और इसी पानी में से बच्चे निकल कर स्कूल जाते हैं। छोटे-छोटे बच्चे पानी से होकर ही अपनी कक्षा तक पहुंच पाते हैं और स्कूल में जो बच्चों के लिए सुविधा होना चाहिए वह भी नहीं है। उन्होंने कहा कि स्कूल में बने हुए शौचालय क्षतिग्रस्त हो चुके हैं, जिसके कारण से यहां पढ़ने वाले बच्चों के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बारिश का पानी स्कूल परिसर में भर जाने के कारण वह धीरे-धीरे निकलता है और बाद में कीचड़ हो जाती है, जिसके कारण से बच्चों के कपड़े भी खराब हो जाते हैं। इस और प्रशासन को ध्यान देना चाहिए और पानी की निकासी की व्यवस्था करना चाहिए जिससे कि स्कूल परिसर में पानी न भर सके। उन्होंने कहा कि स्कूल परिसर में ही बच्चों के पानी पीने के लिए हैंडपंप

लगा हुआ है जिसके चारों तरफ कीचड़ हो रही है। इसी कीचड़ में से निकलकर बच्चे हेडपंप तक पहुंच पाते हैं। उन्होंने कहा कि विभाग के अधिकारी इस और कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं जिसके कारण से पिछले कई दिनों से बच्चे परेशान हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पानी की निकासी की व्यवस्था विभाग के अधिकारियों को करना चाहिए ताकि स्कूल में आने वाले बच्चे कीचड़ और पानी से बच सकें और आसानी से अपनी कक्षाओं तक पहुंच सकें। रहवासियों का कहना था कि विभाग द्वारा दावे तो बड़े-बड़े किए जाते हैं लेकिन इस स्कूल की हालत सुधारने की और अब तक कोई ठोस कदम विभाग द्वारा नहीं उठया गया है। पास में ही कलेक्ट्रेट कार्यालय, एसडीएम कार्यालय और तहसील कार्यालय है, इसके बाद इस स्कूल की हालत काफी खराब हो रही है और कोई भी अधिकारी द्वारा इस और कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए स्कूल की समस्याओं का निराकरण किया जाए। अब देखने वाली बात तो यह होगी कि आखिर कब तक इस स्कूल की पूरत बदलती है और बच्चों के लिए पानी और कीचड़ भरे मैदान से कब मुक्ति मिलती है।

इनका कहना है

स्कूल परिसर में पानी भरे और कीचड़ होने सहित अन्य समस्याओं की टीम भेजकर सोमवार को जांच कराई जाएगी और जल्दी ही समस्या का निराकरण किया जाएगा।

आरपी लखेर, डीपीसी विदिशा

राजनीतिक फायदे के लिए दुखद घटना को हथियार ना बनाएं कांग्रेसी : वीरेंद्र गुप्ता

रीवा। भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता ने कल्पना मिश्रा के दुखद मौत पर कांग्रेस पार्टी द्वारा की जा रही राजनीति पर दुख जताते हुए कहा कि पूरी भाजपा कल्पना मिश्रा के परिजनों के दुख में उनके साथ खड़ी है प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्लजी ने अति संवेदनशीलता के



अत्यंत ही निंदनीय है कांग्रेसी नेताओं को कल्पना मिश्रा के परिवार पर हुए वज्रपात से नहीं बल्कि उनकी दिलचस्पी राजनीतिक इस्तेमाल से है कांग्रेस विधायक ने अपने बयान से मुलौटा उठा दिया है अत्यंत दुखद घटना को कांग्रेस के लोगराजनीतिक

घटना को गंभीरता से लेते हुएखरित कदम उठाते हुए सख्त कार्यवाही का आदेश दिया और उच्च स्तरीय कमेटी का गठन कर निष्पक्ष जांच के लिए राज्य स्तरीय जांच दल का गठन किया जिसने खरित जांच शुरू की प्रथमदृष्टिा ही कर्मचारियों पर कार्यवाही कर निलंबित किया गया डीनको भी स्थानांतरित किया गया मजिस्ट्रेट जांच का आदेश कराया गया साथ ही उपमुख्यमंत्री जी ने कल्पना मिश्रा के पिता और ससुराल जाकर दुख जाता कर उनके द्वारा जांच के निर्णय के अनुरूप दोषियों पर सख्त कार्यवाही का भरोसा दिया है और जांच में जो भी दोषी पाए जाएंगे उनके ऊपर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी किसी को बक्सा ना जाएगा।

भाजपा जिला अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस और उनके नेताओं द्वारा जिस तरह से राजनीतिक फायदे के लिए दुखद घटना को हथियार की तरह उपयोग कर रहे है वह

रोटी सेक रहे है वह अत्यंत ही दुर्भाग्यपूर्ण है बयान देकर विधायक ने बता दिया कि जिले में अशांति फैलाने के लिए मौत पर राजनीति करने वाली टीम के वही मास्टर हैं श्री गुप्त ने कहा कि रीवा जिले की जनता कांग्रेस के चाल चरित्र को अच्छी तरह से जानती है कांग्रेस पार्टी झूठ बोलने और भ्रम फैलाने की मशीन बन कर रह गई है सेमरिया विधायक जिस तरह से अनर्गल प्रत्याग कर रहे हैं उन्हें बताना चाहिए कि उन्होंने राजनीति के अलावा विकास के लिए क्याकिया है विधायक के पास जनता को बताने के लिए कोई उपलब्धि नहीं है इसलिए एक दो महीने में उनके द्वारा नकारात्मक राजनीति के माध्यम से रीवा के सोहार्दपूर्ण वातावरण को बिगड़ने का काम किया जाता है और अशांति फैलाने की नियत से अर्नेतिक रूप से आंदोलन के माध्यम से घरों में घुसने अस्पताल में धरने सहित प्रदर्शन कराए जा रहे हैं।

निर्माणाधीन दो कॉमन एफ्लुएंट कलेक्शन सम्प का किया निरीक्षण

प्रदूषित जल के समाधान के लिए कलेक्टर-एसपी ने किया मेघनगर क्षेत्र का निरीक्षण

झाबुआ। मेघनगर औद्योगिक क्षेत्र से निकलने वाले प्रदूषित जल के प्रभाव का मैदानी स्तर पर आकलन करने तथा समस्या के स्थायी समाधान के लिए कार्ययोजना तैयार करने के उद्देश्य से कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट एवं पुलिस अधीक्षक श्री देवेन्द्र पाटीदार ने शनिवार को मेघनगर एवं आसपास के प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने औद्योगिक इकाइयों से नालों में सीपेज के माध्यम से पहुंच रहे प्रदूषित जल को एकत्र कर उपचारित करने की व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने प्रदूषित जल के संग्रहण के लिए निर्माणाधीन दो कॉमन एफ्लुएं्ट कलेक्शन सम्प (ब्वडउवद मॉसिनमदज ब्वससमबजपवद नउच) का

निरीक्षण किया। इन सम्प के माध्यम से औद्योगिक क्षेत्र से निकलने वाले एफ्लुएं्ट को एकत्र कर कॉमन एफ्लुएं्ट ट्रीटमेंट प्लांट (ब्वज्) तक पहुंचाया जाएगा, जहां उसका निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार उपचार किया जाएगा। कलेक्टर डॉ. भरसट ने ज़रूरत के अधिकारियों को निर्देश दिए कि दोनों कॉमन एफ्लुएं्ट कलेक्शन सम्प का शेष निर्माण कार्य एवं आवश्यक कनेक्शन आगामी 7 दिवस के भीतर अनिवार्य रूप से पूर्ण किए जाएं, ताकि प्रदूषित जल को नालों में जाने से रोककर एकत्रित किया जा सके तथा



उसे उपचार के लिए ब्वज् तक पहुंचाया जा सके। उन्होंने कार्य को प्राथमिकता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश

के पानी की स्थिति भी देखी तथा स्वयं पानी पीकर उसकी प्रत्यक्ष रूप से जांच की। हैंडपंप का पानी स्वच्छ पाया गया। उन्होंने संबंधित

दिए। इसके पश्चात कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने झायड़ा क्षेत्र में प्रदूषित जल से प्रभावित नाले का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों से प्रदूषित जल के प्रवाह, उसके स्रोत एवं आसपास के क्षेत्र पर पड़ रहे प्रभाव के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। साथ ही झायड़ा स्थित ड्रेक वेल का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर डॉ. भरसट ने झायड़ा में स्थित हैंडपंप

अधिकारियों को क्षेत्र में पेयजल की गुणवत्ता पर सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने आनास नदी पर स्थित ज़रूरत की जल प्रदाय व्यवस्था का भी निरीक्षण किया तथा जल प्रदाय की वर्तमान स्थिति एवं संबंधित व्यवस्थाओं की जानकारी ली। आसपास के क्षेत्र पर पड़ रहे प्रभाव का उद्देश्य प्रदूषित जल के प्रभाव की वास्तविक स्थिति का मैदानी स्तर पर आकलन करने के साथ ही उसके प्रभावी एवं दीर्घकालीन समाधान के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करना है। उन्होंने संबंधित विभागों एवं एजेंसियों को समन्वय के साथ कार्य करते हुए औद्योगिक प्रदूषण की समस्या के समाधान के लिए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सार-समाचार

अतिवृष्टि से गिरे घरों का सर्वे कर तत्काल राहत देने की मांग



गुढ़, समय जगत। गुढ़ विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक राजेंद्र मिश्रा ने लगातार बारिश के बाद जलभराव की स्थिति सामान्य होने पर गुढ़ विधानसभा क्षेत्र के अतिवृष्टि प्रभावित ग्रामों का दौरा कर घर गिरने

से प्रभावित ग्रामीणों से मुलाकात की गई। ग्रामीणों ने बताया कि अतिवृष्टि के कारण उनके घर गिर गए हैं, लेकिन अभी तक शासकीय अमला मौके पर पहुंचकर उनकी सुख लेने नहीं पहुंचा है। प्रभावितों में ग्राम बदवार के लोतार काल एवं अंबिका पटेल, ग्राम बरसैता के सूर्यमणि कुशवाहा, शंभू कुशवाहा, नागेंद्र मिश्र एवं सर्वेश मिश्र, ग्राम बांधी के बाबूलाल प्रजापति, डिजो पांडेय, रामसखा द्विवेदी, रामायण द्विवेदी एवं विजय शंकर द्विवेदी तथा ग्राम डटार पहाड़ के भगमनिया कोल, गणेश कोल सहित अन्य ग्रामीण शामिल हैं। ग्रामीणों ने अतिवृष्टि से घर गिरने के बाद तत्काल राहत एवं सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है। दौरे के दौरान बदवार मोड़ पर हुए सड़क हादसे में जान गंवाने वाले गुढ़ निर्वाचन क्षेत्र के राम मणि कोल के परिजनों से भी मुलाकात की गई। उनके पुत्र से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त की गई और इस दुख की घड़ी में परिवार को ढाढस बंधाया गया। इस दौरान सेक्टर प्रभारी संजीव द्विवेदी, पूर्व सरपंच अच्छेला वर्मा, डटार पहाड़ के के.के. द्विवेदी एवं भोले कोल सहित अन्य लोग मौजूद रहे। इस दौरान विभिन्न गांवों में ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं और व्यथा सुनी गई तथा अतिवृष्टि से हुए नुकसान की जानकारी ली गई। शासन-प्रशासन से मांग की गई है कि अतिवृष्टि से प्रभावित परिवारों का शीघ्र सर्वे कराया जाए और पात्र पीडितों को तत्काल राहत राशि उपलब्ध कराई जाए। चेतवनी दी गई कि यदि एक सप्ताह के भीतर प्रभावित परिवारों का सर्वे नहीं कराया गया, तो उनकी समस्याओं को देखते हुए कांग्रेस पार्टी ग्रामीणों के साथ मिलकर आंदोलन करने का निर्णय लेगी।

गड्डों पर ओढ़ाया कफन, फोड़ी हड़िया, सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी



विदिशा, समय जगत। शहर की बद्दहाल और खुदी पड़ी सड़कों के साथ जगह-जगह बने गहरे गड्डों को लेकर जिला कांग्रेस के तत्वाधान में नगर कांग्रेस ने अनोखे और उग्र अंदाज में विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ता दोपहर 12 बजे जिला कांग्रेस अध्यक्ष की अगुवाई में जिला कांग्रेस कार्यालय में एकत्रित हुए और नारेबाजी करते हुए शहर की मुख्य बाजार में सड़क के गड्डों पर कफन ओढ़ाकर और हड़िया फोड़कर मातम मनाया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने कहा कि शहर की सड़कें अब आवागमन का साधन कम और दुर्घटनाओं का आमंत्रण देने वाला खतरा अधिक बन गई हैं। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गड्डों के बीच पहुंचकर कफन ओढ़ाया और हड़िया फोड़ी, मानो सड़क हादसों में होने वाली संभावित जनहानि पर मातम मना रहे हों। प्रदर्शन के दौरान नगर पालिका एवं जिम्मेदार जनप्रतिनिधि के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई।

संत रविदास जी महाराज जी की मनाई गई 650 वीं जयंती

पिपरिया, समय जगत। संत रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा समरसता संकल्प अभियान के तहत कलश वंदन यात्रा का पिपरिया विधानसभा के ग्राम हथबास संत रविदास जी मंदिर पर पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया इस अवसर पर विधायक ठाकुरदास नागवंशी नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती नीना नवनीत नागपाल, पूर्व जिला अध्यक्ष माधव दास अग्रवाल, पूर्व जिला सतर्कता निगरानी सदस्य अरविंद राय, खापरखेड़ा मंडल अध्यक्ष राजा भैया पटेल, समाजसेवी भगत



जी अहिरवार, रामभरोस अहिरवार, पूर्व जनपद अध्यक्ष श्रीमती अर्चना साहू, अनिल साहू, महिला मोर्चा जिला महामंत्री श्रीमती ममता नागवंशी, जनपद उपाध्यक्ष कुसुम लता पटेल, जिला पंचायत सदस्य ब्रजकिशोर पट्टारिया, जिला उपाध्यक्ष गोपाल दास दुदानी, रेखा शर्मा, पार्षद सरस्वती कोरी, मुकेश खटीक, राहुल सरकार पुरबिया, प्रदीप रघुवंशी, सुनील रघुवंशी, लखन राय, विजय दुबे, अमन कटकरवार बाबूलाल ठेकेदार सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे

उपाध्यक्ष कुसुम लता पटेल, जिला पंचायत सदस्य ब्रजकिशोर पट्टारिया, जिला उपाध्यक्ष गोपाल दास दुदानी, रेखा शर्मा, पार्षद सरस्वती कोरी, मुकेश खटीक, राहुल सरकार पुरबिया, प्रदीप रघुवंशी, सुनील रघुवंशी, लखन राय, विजय दुबे, अमन कटकरवार बाबूलाल ठेकेदार सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे

शिक्षक दिवस कार्यक्रम का हर्षोल्लास से हुआ आयोजन

निवास/मण्डला। शिक्षक दिवस के अवसर पर विकासखंड निवास की विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं में शनिवार को उत्साह, गरिमा और हर्षोल्लास के साथ कार्यक्रम आयोजित किए गए। शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय निवास, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय निवास, हाईस्कूल बम्हनी एवं सांदीपनि विद्यालय निवास में विद्यार्थियों ने अपने गुरुओं का सम्मान कर गुरु-शिष्य परंपरा को जीवंत किया।

जनपद अध्यक्ष मंजू कुलस्ते सहित अन्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित सेवानिवृत्त शिक्षक नवीन व्यवहार के शाल एवं श्रीफल से सम्मान के साथ हुई। इसके बाद हाईस्कूल एवं हायर सेकेडरी स्तर पर शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम देने वाले प्राचार्यों दिलीप गुप्ता, राकेश धर द्विवेदी, प्रेम किशोर तिवारी, वेद प्रकाश अंबाधिया, मुकेश जैन, अनुराग जैन, दीपक दुबे एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी सुनील कुमार दुबे का शाल-श्रीफल से सम्मान किया गया। सांदीपनि



विद्यालय के शिक्षकों को भी श्रीफल एवं पेन भेंटकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सांसद फगन सिंह कुलस्ते ने शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने शिक्षकों से इसी समर्पण के साथ विद्यार्थियों के भविष्य को संवारने का आह्वान किया। साथ ही

मध्यप्रदेश शासन द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे बदलावों का उल्लेख किया। विधायक चैन सिंह वरकड़े ने भी शिक्षकों को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में सोरव द्विवेदी, अंकित साहू, युवा मोर्चा अध्यक्ष अभिषेक ठाकुर, कांग्रेस अध्यक्ष संजय जायसवाल, इलियास खान, कैलाश साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सुनील कुमार दुबे, सेवानिवृत्त शिक्षक नवीन व्यवहार, प्रभारी प्राचार्य राजेश मिश्रा सहित संस्था के शिक्षकों का विद्यार्थियों ने सम्मान किया। छात्राओं ने गीत एवं भाषण प्रस्तुत कर गुरु-शिष्य परंपरा और गुरु के महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम के दौरान छात्र देवू का जन्मदिन भी केक काटकर उत्साहपूर्वक मनाया गया।

कन्या विद्यालय में मनमोहक प्रस्तुतियों ने मोहा मनः शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय निवास में छात्राओं द्वारा शिक्षक दिवस समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि विकासखंड शिक्षा अधिकारी सुनील कुमार दुबे एवं प्राचार्य प्रेम किशोर तिवारी सहित विद्यालय के शिक्षकों का छात्राओं ने सम्मान कर उपहार भेंट किए।

सार सक्षिप्त

लाखों की स्मैक के साथ तस्कर हुआ गिरफ्तार

समय जगत, बीनागंज। चांचीड़ा पुलिस ने नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 257.5 ग्राम स्मैक के साथ 21 वर्षीय युवक रंजीत पुत्र रघुवीर मीना, निवासी रानीखेजड़ा को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक जब स्मैक की कीमत करीब 25.50 लाख रुपए है। 15 सितंबर की रात मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने चौड़ेरेश्वर मंदिर तिराहे पर नाकाबंदी की। मृगवास की ओर से बाइक से आ रहे युवक ने पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया, लेकिन घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया गया। पृच्छाछद्म में आरोपी ने स्मैक मृगवास निवासी मोहन पुत्र शांतिाला साहू से खरीदना बताया। पुलिस ने मोहन को भी मामले में आरोपी बनाया है। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21, 29 के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अब स्मैक की सलाई के स्रोत और जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटा रही है। कार्रवाई में थाना प्रभारी दिलीप राजौरिया सहित चांचीड़ा थाना एवं बीनागंज चौकी पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पत्रकार संघ की कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन-संदीप भदोरिया बने अध्यक्ष, योगेंद्र राजपूत को सचिव की जिम्मेदारी



?समय जगत खिरकिया। स्थानीय पत्रकार संघ की एक महत्वपूर्ण बैठक स्थानीय रेस्ट हाउस में रविवार को संरक्षक भरत हेडा एवं सुनील जैन के मार्गदर्शन में आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति और सोहार्दपूर्ण वातावरण में पत्रकार संघ की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इस दौरान समाज और मीडिया जगत के हित में निष्पक्ष एवं सकारात्मक पत्रकारिता को बढ़ावा देने का संकल्प लिया गया। सर्वसम्मति से लिए गए निर्णय के अनुसार श्री संदीप भदोरिया को पत्रकार संघ का नया अध्यक्ष चुना गया। ?संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए कार्यकारिणी में अन्य पदाधिकारियों की घोषणा भी की गई। जिसमें गिरिराज माहेश्वरी, संजय नामदेव (चारुवा), आशुतोष पाराशर एवं प्रद्युम्न कुशवाहा को उपाध्यक्ष, योगेंद्र राजपूत को सचिव, ललित बाथोले एवं सुनील मालाकार को सह सचिव चुना गया।

कार्यकारिणी सदस्य-संगठन की मजबूती और सक्रियता के लिए वरिष्ठ एवं युवा पत्रकारों को कार्यकारिणी सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। इनमें राकेश खरका, हर्ष मंत्री, राहुल जैन, संजु नामदेव, कीर्तन ओनकर, अंकुश विश्वकर्मा, राजकुमार बघेल, साजिद खान, जय मारवाड़ी एवं आशीष साकळे शामिल हैं।

?संरक्षकद्वय भरत हेडा एवं सुनील जैन ने नव-निर्वाचित अध्यक्ष संदीप भदोरिया सहित पूरी कार्यकारिणी को बधाई व शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उम्मीद जताई कि नई टीम एकजुट होकर पत्रकार हितों की रक्षा करने के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों और निष्पक्ष पत्रकारिता के मूल्यों को निरंतर सशक्त बनाएगी। नवनिर्वाचित अध्यक्ष संदीप भदोरिया एवं सभी पदाधिकारियों ने परिषद का आभार व्यक्त करते हुए संगठन की गरिमा को बनाए रखने और सभी सदस्यों को साथ लेकर कार्य करने का भरोसा दिलाया। कार्यकारिणी के गठन पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों व शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए पूरी टीम को शुभकामनाएं दी हैं।

शास्त्री स्कूल में आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की

कृष्ण स्वरूप में सजे नहे-मुन्ने, 132 विद्यार्थियों ने मटकी फोड़ में दिखाया उत्साह, बड़ी संख्या में बच्चों ने फैसी ड्रेस में लिया हिस्सा

पचोर। शास्त्री स्मृति विद्या मंदिर हायर सेकेंडरी स्कूल पचोर में जन्माष्टमी का उत्सव भक्ति, उल्लास और रंगारंग गतिविधियों के बीच मनाया गया। विद्यालय में कहीं नहे-कृष्ण नजर आए तो कहीं राधा-कृष्ण की वेशभूषा में सजे बच्चे आकर्षण का केंद्र बने। कृष्ण जन्मोत्सव के दौरान आयोजित मटकी फोड़ प्रतियोगिता में कक्षा पहली से 12वीं तक के 132 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में 11 विद्यार्थियों ने मटकी फोड़कर सफलता हासिल की। प्रत्येक विजेता को संस्था की ओर से 101 रुपए की पुरस्कार राशि दी गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय संचालक प्रतीक गोयल एवं प्राचार्य मनोहर बैरगी ने भगवान बालकृष्ण और मां सरस्वती के पूजन-अर्चना तथा दीप प्रज्वलन से किया। इसके बाद विद्यार्थियों ने भजन और नृत्य की प्रस्तुतियां देकर वातावरण को कृष्णमय बना दिया। छात्रा प्राची सिसोदिया ने भजन प्रस्तुत किया, जबकि प्रतिष्ठित विश्वकर्मा की नृत्य प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया।

विद्यार्थियों को कृष्ण के जीवन से प्रेरणा लेने का संदेश: विद्यालय संचालक दीपक गोयल ने विद्यार्थियों को



भगवान श्रीकृष्ण के जीवन और उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण ने जीवन में अनेक संघर्षों और संकटों का सामना किया तथा प्रतिकूल परिस्थितियों को अपने अनुकूल बनाया। उनका जीवन साहस, कर्म, संघर्ष और सकारात्मक सोच की प्रेरणा देता है। विद्यार्थियों को उनके जीवन से सीख लेकर कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

62 बच्चे कृष्ण और उनसे जुड़े पात्रों की वेशभूषा में सजे: जन्माष्टमी के अवसर पर प्री-प्राइमरी एवं प्राइमरी कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए कृष्ण स्वरूप फैसी ड्रेस प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें 62 विद्यार्थियों ने भगवान श्रीकृष्ण और उनके जीवन से जुड़े पात्रों की आकर्षक वेशभूषा में सहभागिता की।

नर्सरी वर्ग में हर्षिता गुर्जर प्रथम, कृष्णवी यादव द्वितीय और विधान विश्वकर्मा तृतीय रहे। एल्केजी में रुचिका गुर्जर प्रथम, अद्विक सिसोदिया द्वितीय और दिव्या गुर्जर तृतीय स्थान पर रहे। यूकेजी में लवांश पांडेय प्रथम, वामिका जाटव द्वितीय और कार्तिक दुबे तृतीय रहे। कक्षा पहली में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की, जबकि कक्षा दूसरी में समृद्धि विश्वकर्मा प्रथम, श्रद्धा सेन द्वितीय और भाविका यादव तृतीय स्थान पर रहीं। प्रतियोगिता में शामिल सभी विद्यार्थियों को विद्यालय संचालक की ओर से पारितोषिक दिए गए। प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को आगामी वार्षिक पुरस्कार विवरण समारोह में भी सम्मानित किया जाएगा।

मटकी फोड़ में 11 विद्यार्थियों ने मारी बाजी: मटकी फोड़ प्रतियोगिता में

पृथ्वीराज रहेला, निजुज सेन, मनीषा रेवारी, शहादत खान, अभिषेक सोधिया, खुशबू गुर्जर, आदित्य गुप्ता, धनिष्ठा शर्मा, दीपक परमार, योगेश शर्मा एवं निखिल शर्मा ने मटकी फोड़कर सफलता हासिल की। संस्था संचालक प्रतीक गोयल एवं प्रणव गोयल ने प्रत्येक विजेता विद्यार्थी को 101 रुपए की पुरस्कार राशि प्रदान की।

गीत, नृत्य और जयकारों से कृष्णमय हुआ परिसर: जन्मोत्सव के दौरान विद्यालय परिसर में दिनभर उत्साह का माहौल रहा। नहे-विद्यार्थियों की कृष्ण वेशभूषा और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहीं। गीत, भजन और कृष्ण के जयकारों से पूरा परिसर कृष्णमय नजर आया। विद्यार्थियों ने विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लेकर जन्माष्टमी का उत्सव मनाया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। संचालन शिक्षक अजय शर्मा, राहुल सक्सेना एवं राकेश राजपूत ने किया।

चाहें तो इसमें फैसी ड्रेस में शामिल सभी 62 बच्चों के नाम भी अलग बॉक्स में लगाकर इसे प्रकाशन के लिए और व्यवस्थित किया जा सकता है।

रूपरेल में नायब तहसीलदार ने किया अफलन प्रभावित फसलों का निरीक्षण

किसानों के आवेदनों की मौका जांच कर फसल की स्थिति का लिया जायजा



समय जगत, बोड़ा। ग्राम रूपरेल में किसानों द्वारा अफलन संबंधी दिए गए आवेदनों की मौका जांच के लिए नायब तहसीलदार मोतीलाल पंथी गांव पहुंचे। उन्होंने खेतों में पहुंचकर अफलन से संबंधित फसलों की स्थिति का निरीक्षण किया तथा मौके पर किसानों से चर्चा कर वस्तुस्थिति की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान नायब तहसीलदार ने किसानों द्वारा प्रस्तुत किए गए अफलन संबंधी आवेदनों के संबंध में मौके पर जानकारी जुटाई

और प्रभावित फसलों की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान ग्राम रूपरेल के किसान बंधु भी मौजूद रहे और उन्होंने अपनी फसलों से संबंधित समस्याओं से अधिकारी को अवगत कराया। किसानों ने बताया कि फसल में अफलन की स्थिति के चलते उन्हें नुकसान की चिंता है। वहीं प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा मौके पर पहुंचकर फसलों का निरीक्षण किए जाने से किसानों को उनकी समस्या के निराकरण एवं उचित कार्रवाई की उम्मीद जगी

न्यूसेंस एलिमेंट से सख्ती से निपटें, माहौल बिगाड़ने वालों पर हो सख्त कार्यवाही: कटेसरिया



रतलाम। आगामी त्रैहारों को दृष्टिगत रखते हुए जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कलेक्टर श्री अजय कटेसरिया एवं पुलिस अधीक्षक श्री अमित कुमार ने संयुक्त रूप से कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक ली। बैठक में आगामी अनंत चतुर्दशी सहित अन्य त्रैहारों के दौरान सुशासन एवं कानून व्यवस्था के संबंध में विस्तृत समीक्षा की गई और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री कटेसरिया ने कहा कि जिले में कानून व्यवस्था के साथ किसी भी प्रकार की समझौता नहीं किया जाए। न्यूसेंस एलिमेंट से सख्ती से निपटें। ऐसे तत्व जो माहौल बिगाड़ने का प्रयास करते हैं, आपस में झगड़ कर हैं अथवा अनावश्यक रूप से भीड़ जकटते कर शांति व्यवस्था प्रभावित करते हैं,

उनके विरुद्ध तत्काल वैधानिक कार्रवाई की जाए और आवश्यकतानुसार मुकदमा दर्ज किया जाए। कलेक्टर एवं एसपी ने निर्देश दिए कि जिले के गुंडा तत्वों को बॉन्ड ओवर करने की कार्रवाई प्रभावी रूप से की जाए। व्यवस्था के साथ किसी भी प्रकार के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई करते हुए उन्हें जेल भेजने की कार्रवाई की जाए। आदतन अपराधियों एवं लगातार कानून व्यवस्था प्रभावित करने वाले तत्वों के विरुद्ध जिला बंदर की कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाए।

जाए। बैठक में जमीन विवाद से जुड़े मामलों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जमीन विवाद के मामलों में राजस्व एवं पुलिस विभाग आपसी समन्वय से संयुक्त रूप से कार्रवाई करें, ताकि विवादों के कारण कानून व्यवस्था की स्थिति निर्मित न हो। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार का अतिक्रमण हो, चाहे पक्का हो अथवा कच्चा, उसे हटाने की कार्रवाई में किसी भी प्रकार की कोताही नहीं बरती जाए। कलेक्टर ने किरांयों द्वारा की जाने वाली वसूली संबंधी शिकायतों में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आम जनता द्वारा इस संबंध में शिकायत किए जाने पर शिकायत का तत्काल निराकरण प्रभावित करने वाले तत्वों को कार्रवाई की जाए।

पीड़ित आदिवासी परिवारों को पचास-पचास लाख रुपए और एक सदस्य को दी जाए शासकीय नौकरी: कांग्रेस जिला कांग्रेस आदिवासी प्रकोष्ठ ने राष्ट्रपति के नाम कलेक्ट्रेट में सौंपा ज्ञापन

छिन्दवाड़ा, समय जगत। प्रदेश की भाजपा सरकार की लचर स्वास्थ्य व्यवस्था के चलते बालाघाट जिले के आदिवासी अंचल बैहर, बिरसा व परसवाड़ा तहसील के 30 बैगा आदिवासी मासूम बच्चों का दुखद निधन प्रदेश सरकार पर सबसे बड़ा कलंक है। लगातार बच्चों की जानें जाती रही और सरकार सत्ता के मद में चूर रही। प्रत्येक पीड़ित परिवार को 50-50 लाख रुपए की अनुग्रह राशि व प्रत्येक परिवार के एक सदस्य को शासकीय नौकरी दिए जाने की मांग छिन्दवाड़ा जिला कांग्रेस आदिवासी प्रकोष्ठ ने उठाई है। जिला कांग्रेस आदिवासी प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट गेट पर पहुंचकर भाजपा सरकार के खिलाफ आदिवासी विरोध होने का आरोप लगाते हुए ज्ञापन सौंपा। प्रस्तुत ज्ञापन के माध्यम से



कहा कि बालाघाट के आदिवासी अंचल में निवासरत अतिविशेष राष्ट्रीय मानव जनजाति घोषित बैगा समाज के पिछले दो माह में 30 बैगा आदिवासी बच्चों का दुखद निधन हो गया। इस गम्भीर स्वास्थ्य संकट के कारण पूरे क्षेत्र में शोक और भारी आक्रोश है। क्योंकि तेज बुखार सहित अन्य बीमारी से ग्रस्त बच्चों को भाजपा सरकार की घोर उदासीनता और स्वास्थ्य विभाग के बुनियादी ढांचे में कमी के चलते बच्चों की मौत हो गई। स्थिति इतनी चिंताजनक है कि तीन-तीन बच्चों का इलाज एक ही बैड पर

राशि प्रदान की जा रही है जो पर्याप्त नहीं है। प्रत्येक परिवार को कम से कम 50-50 लाख रुपए की सहायता राशि व प्रत्येक परिवार से एक सदस्य को शासकीय नौकरी प्रदान की जाए। प्रभावित क्षेत्र में पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई जाए साथ ही ग्रामीण अंचलों में परिवहन की सुविधाओं को तत्काल सुलभ करते हुए बहाल किया जाए। जिला कांग्रेस आदिवासी प्रकोष्ठ, माप्र आदिवासी विकास परिषद, सर्व आदिवासी समाज के संयुक्त तत्वावधान में ज्ञापन प्रस्तुत किया गया।

गुरुजनों के पद प्रक्षालन और महाआरती के साथ 40 शिक्षकों का हुआ सम्मान

समय जगत, इटारसी। शिक्षक दिवस के अवसर पर पत्रकार एवं समाजसेवी प्रमोद पगारे द्वारा संस्थापित एवं प्रवर्तित विपिन जोशी स्मारक समिति का 42वां राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान समारोह शनिवार को द पार्क रिजॉर्ट इटारसी में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में मध्यप्रदेश सहित देश के विभिन्न क्षेत्रों से चयनित 40 श्रेष्ठ शिक्षकों एवं गुरुजनों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम आचार्य पंडित सोमेश परसाई के सानिध्य में आयोजित हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. अजय गोयनका, चेयरमैन चिरगु हॉस्पिटल एंड मेडिकल कॉलेज, अति विशिष्ट अतिथि अजय गुप्ता, पूर्व एडिशनल एडवोकेट जनरल तथा विशेष अतिथि उषा खरे (केबीसी फेम) सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। समारोह की शुरुआत गुरुजनों के पद प्रक्षालन एवं महाआरती के साथ हुई। विपिन जोशी स्मारक समिति के सदस्यों एवं अतिथियों ने सम्मानित शिक्षकों के चरण प्रखारक उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। इसके बाद सभी चयनित शिक्षक-शिक्षिकाओं को ट्रॉफी, शॉल-श्रीफल, सम्मान पत्र एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया।



समिति की ओर से प्रदान की जाने वाली चलित ट्रॉफी भी प्रदान की गई।

सरस्वती पुत्र सम्मान: 42वें राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान समारोह में इस वर्ष सर्वोच्च सरस्वती पुत्र सम्मान से कोलकाता के डॉ. सुजय कुमार मंडल को पुराजा गया है। उन्होंने 25 छात्रों का डॉक्टरेट और 15 का एम.फिल. के लिए मार्गदर्शन किया है। अभी 8 छात्र उनके मार्गदर्शन में पीएच.डी. कर रहे हैं। उन्होंने 5 पुस्तकें सहित लगभग 140 शोधपत्रों का प्रकाशन किया है। वे वेल्हू रामकृष्ण मिशन, स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय में भी सेवाएं दे चुके हैं। प्रखारक उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। लोककथा, संस्कृत विभाग अध्यक्ष के रूप में पदस्थ हैं।

ज्ञान गंगा सम्मान: इस वर्ष का ज्ञान गंगा

सम्मान मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान भोपाल के डॉ. गौरव द्विवेदी को दिया गया है। उन्होंने ऊर्जा एवं पर्यावरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में शिक्षण एवं शोध के साथ विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की उपलब्धियां प्राप्त की हैं। इनमें ऊर्जा के क्षेत्र में काम करने वाले प्रमुख वैज्ञानिकों में शीर्ष 2 प्रतिशत में स्थान, यंग साइंटिस्ट अवार्ड, भारतीय पेटेंट प्रकाशित, 120+ शोधपत्र प्रकाशित तथा विभिन्न पुस्तकें प्रकाशित करना आदि उपलब्धियां शामिल हैं।

शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता है सम्मान: मुख्य अतिथि डॉ. अजय गोयनका ने कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान प्रदान नहीं करते, बल्कि विद्यार्थियों के जीवन की दिशा निर्धारित करते हैं। समाज में गुरु के योगदान का सम्मान वास्तव में ओं वांती पीढ़ियों के

निर्माण के प्रति सम्मान है। अति विशिष्ट अतिथि अजय गुप्ता ने शिक्षक और विद्यार्थी के संबंध तथा जीवन निर्माण में गुरु की भूमिका पर विचार व्यक्त किए। विशेष अतिथि श्रीमती उषा खरे ने भी शिक्षकों के योगदान को नमन करते हुए अपने विचार रखे। आचार्य पंडित सोमेश परसाई ने गुरु परंपरा की महत्ता बताते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सदैव सर्वोच्च रहा है। उन्होंने कहा कि गुरुजनों का सम्मान भारतीय संस्कार और परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

ऐसा सम्मान कहीं नहीं: समिति के संस्थापक एवं संरक्षक प्रमोद पगारे ने कहा कि शिक्षक सम्मान के कार्यक्रम अनेक स्थानों पर होते हैं, लेकिन शिक्षकों के पद प्रक्षालन और महाआरती के माध्यम से उनका अभिनंदन करने की परंपरा विपिन जोशी स्मारक समिति के आयोजन की विशिष्ट पहचान है। समिति अध्यक्ष अधिवक्ता रमेश के. साहू ने कहा कि संस्था लगातार 42 वर्षों से राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान समारोह के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित कर रही है।

संपादकीय

यूपी चुनाव के लिये होने लगी सियासी जमावट

उत्तरप्रदेश के विधानसभा चुनाव कुछ माह बाद ही होने हैं। ऐसे में राजनीतिक दलों द्वारा सियासी जमावट के साथ इसकी तैयारी शुरू कर दी गई है। राजनीतिक दलों द्वारा इसके लिये प्रभावशाली लोगों को अपने पाले में लाने की कवायद भी की जा रही है। पिछले दिनों एक आईएएस अधिकारी द्वारा अपने पद से इस्तीफा देने को भी यूपी चुनाव की सयासत से जोड़कर देखा जा रहा है। यूपी कैब्रड की 2013 बैच की आईएएस अधिकारी दिव्या मित्तल ने रविवार 30 अगस्त 2026 को प्रशासनिक सेवा से इस्तीफा दे दिया। वर्तमान समय में वह राजस्व विभाग में विशेष सचिव पद पर तैनात थीं। दिव्या मित्तल ने बाद सोशल मीडिया पर लंबी पोस्ट लिखकर अपने इस्तीफे की जानकारी शेयर की। आप जानते हैं कि सिर्फ शोहत और दौलत हासिल कर लेना ही की बार व्यक्ति की आत्मसंतुष्टि नहीं कर पाता है। दरअसल जिसको हासिल नहीं होता है वह खोजने पाने के लिए बचेवै हो जाता है लेकिन जिसे हासिल होता है उसे वह प्राप्त भी करे बाद मिथ्या नजर आता है। दिव्या मित्तल पहले उत्तर प्रदेश के कई जिलों में जिलाधिकारी रह चुकी हैं। मई के पहले सप्ताह में उन्हें देवरिया के जिलाधिकारी पद से हटाकर राजस्व विभाग में तैनाती दी गई थी। डीएम पद से हटाए जाने के बाद उनकी कुछ सोशल मीडिया पोस्ट भी चर्चा में रही थीं। फिलहाल इस्तीफे की असली वजह क्या है, इस पर दिव्या मित्तल की ओर से कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण सामने नहीं आया है। यूपी की सियासत तक उनके इस फैसले को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। आइएएस दिव्या मित्तल मूलरूप से हरियाणा के रेवाड़ी की निवासी हैं, लेकिन उनका जन्म दिल्ली में ही हुआ। उनकी पढ़ाई भी दिल्ली में ही हुई। 10वीं और 12वीं करने के बाद दिल्ली में ही बीटेक किया और फिर आइआइएम बंगलुरु से एमबीए की। इसके बाद उनकी शादी हो गई। उनकी और पति गगनदीप सिंह की लंदन में बहुत अच्छे पैसेज पर नौकरी भी लग गई थी, लेकिन देश प्रेम इतना वह वहां ज्यादा दिन तक नहीं रह पाईं। पति-पत्नी ने इस्तीफा देकर लंदन से वापस लौटने का फैसला किया और हुआ भी यही। दोनों का एजुकेशनल और प्रोफेशनल बैकग्राउंड बेहद प्रभावशाली रहा है। बताया जा रहा है कि आइएएस अधिकारी दिव्या मित्तल ने कुछ दिन पूर्व लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की थी। दिव्या मित्तल का मिर्जापुर क्षेत्र में काफी प्रभाव है, ऐसे में यह कांग्रेस के टिकट पर मिर्जापुर क्षेत्र की किसी सीट से विधानसभा चुनाव या फिर लोकसभा चुनाव में उम्मीदवार हो सकती हैं, ऐसी संभावना जताई जा रही है।

चीन के सैन्य मॉडल की राह पर पाकिस्तान ने 50 साल बाद किए बड़े बदलाव

नौरज कुमार दुबे
पोर्टों के अनुसार, पाकिस्तान ने अपने रणनीतिक सैन्य ढांचे को भी नए सिरे से संगठित करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। नेशनल स्ट्रेटैजिक कमांड जैसी व्यवस्था के जरिए परमाणु हथियारों, मिसाइल क्षमताओं और अन्य रणनीतिक संसाधनों की कमान को अधिक केंद्रीकृत करने की कोशिश की जा रही है। अब पाकिस्तान भी चीन के सैन्य मॉडल की राह पर चल पड़ा है। करीब पांच दशकों बाद पाकिस्तान ने अपने सैन्य कमांड ढांचे में बड़ा बदलाव करते हुए सेना, नौसेना और वायुसेना के बीच समन्वित कमान को नई दिशा देने की कोशिश की है। इस पुनर्गठन का सबसे बड़ा फायदा फोल्ड मार्शल असीम मुनीर को मिलता दिखाई दे रहा है, जिनके हाथों में पाकिस्तान की सैन्य व्यवस्था की ताकत पहले से कहीं अधिक केंद्रित हो सकती है। यह बदलाव केवल प्रशासनिक फेरबदल नहीं, बल्कि पाकिस्तान की सैन्य शक्ति, रणनीतिक हथियारों और युद्धकालीन फैसलों को अधिक केंद्रीकृत करने की व्यापक कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। हम आपको बता दें कि नए कानूनों और संवैधानिक बदलावों के बाद पाकिस्तान में चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सज (छष्ट्रक्ष) की व्यवस्था को मजबूत किया गया है। असीम मुनीर पहले से सेना प्रमुख हैं और अब तीनों सेनाओं यानि थल सेना, नौसेना और वायुसेना, के बीच समन्वित कमान के केंद्र में भी हैं। पुरानी व्यवस्था में ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टॉफ कमेटी पद तीन तीनों सेनाओं के बीच समन्वय की भूमिका निभाता था, लेकिन नई व्यवस्था में कमान का केंद्र और अधिक स्पष्ट रूप से एक व्यक्ति के आसपास सिमत गया है। यही इस बदलाव का सबसे बड़ा संदेश है कि पाकिस्तान की सत्ता व्यवस्था में सेना अब केवल सबसे ताकतवर संस्था नहीं रहना चाहती, बल्कि अपनी ताकत को कानून और संस्थागत ढांचे के जरिए स्थायी रूप देना चाहती है। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान ने अपने रणनीतिक सैन्य ढांचे को भी नए सिरे से संगठित करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। नेशनल स्ट्रेटैजिक कमांड जैसी व्यवस्था के जरिए परमाणु हथियारों, मिसाइल क्षमताओं और अन्य रणनीतिक संसाधनों की कमान को अधिक केंद्रीकृत करने की कोशिश की जा रही है। इससे पाकिस्तान के सामरिक निर्णयों में सेना की भूमिका और मजबूत होती दिखाई देती है। हम आपको बता दें कि पाकिस्तान का यह नया मॉडल चीन की सैन्य संरचना से भी प्रभावित माना जा रहा है। सेना, नौसेना, वायुसेना, मिसाइल और रणनीतिक क्षमताओं को एकीकृत कमान के तहत लाने की सोच का उद्देश्य युद्ध या संकट की स्थिति में तेज फैसले और संयुक्त सैन्य कार्रवाई बताया जा रहा है। पाकिस्तान लंबे समय से अपनी सैन्य क्षमताओं के आधुनिकीकरण में चीन के साथ सहयोग बढ़ाता रहा है और नया कमांड मॉडल भी उसी व्यापक रणनीतिक दिशा का हिस्सा माना जा रहा है। लेकिन भारत के लिए सवाल यह है कि क्या असीम मुनीर के हाथों में अधिक शक्ति आने से खतरा बढ़ जाएगा? देखा जाए तो उसका जवाब केवल हां या नहीं में नहीं दिया जा सकता। पाकिस्तान की सैन्य संरचना में केंद्रीकरण निश्चित रूप से भारत के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक घटनाक्रम है। एकीकृत कमान से पाकिस्तान सीमित युद्ध, मिसाइल संचालन और बहु-क्षेत्रीय सैन्य अभियानों में बेहतर समन्वय की कोशिश कर सकता है। खासतौर पर भारत की पश्चिमी सीमा के संदर्भ में पाकिस्तान अपनी सैन्य तैयारी को अधिक संगठित करने का प्रयास करेगा। लेकिन पाकिस्तान को यह भ्रम पालने की जरूरत नहीं है कि कमांड स्ट्रक्चर बदलने से जमीन पर उसकी सामरिक वास्तविकता भी बदल जाएगी। भारत के सामने पाकिस्तान की चुनौती केवल हथियारों या पदों की नहीं है। भारत के पास कहीं अधिक व्यापक सैन्य, आर्थिक और तकनीकी क्षमता है। आधुनिक युद्ध केवल सैनिकों और मिसाइलों की संख्या से तय नहीं होते। अर्थव्यवस्था, रक्षा उत्पादन, तकनीक, खुफिया क्षमता, साइबर शक्ति, अंतरिक्ष क्षमता और राजनीतिक स्थिरता, ये सभी युद्ध शक्ति के महत्वपूर्ण आधार हैं। यहीं पाकिस्तान की सबसे बड़ी कमजोरी सामने आती है। एक तरफ पाकिस्तान सैन्य कमान को मजबूत और केंद्रीकृत कर रहा है, दूसरी तरफ उसकी अर्थव्यवस्था लगातार दबाव में है। देश राजनीतिक अस्थिरता, आर्थिक संकट और आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों से जूझता रहा है। बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा जैसे क्षेत्रों में सुरूशा समस्याएं अलग हैं। ऐसे में केवल सेना प्रमुख के हाथों में अधिक अधिकार देने से पाकिस्तान की मूल समस्याएं समाप्त नहीं हो जाएंगी। यहां एक सवाल यह भी है कि क्या सत्ता का अलार्थिक केंद्रिकरण पाकिस्तान की संस्थाओं को और कमजोर करेगा? देखा जाए तो पाकिस्तान का इतिहास बताता है कि वहां सेना और निर्वाचित सरकार के बीच शक्ति संतुलन हमेशा विवाद का विषय रहा है। अब यदि सैन्य कमान, रणनीतिक हथियारों और तीनों सेनाओं के समन्वय की शक्ति एक ही शीर्ष सैन्य नेतृ के इर्द-गिर्द केंद्रित होती है, तो नागरिक नियंत्रण को लेकर सवाल और गहरे होंगे। उन्तर, भारत को इस घटनाक्रम पर नजर जरूर रखनी होगी, हालांकि चिंता की कोई वजह नहीं है। क्योंकि नई कमान व्यवस्था से पाकिस्तान की सैन्य योजनाओं में तेजी और समन्वय आ सकता है, लेकिन भारत की रणनीतिक तैयारी भी अब पुरानी नहीं रही। नई दिल्ली के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि पाकिस्तान की किसी भी सैन्य पुनर्रचना का जवाब नियंत्रणवाजी से नहीं, बल्कि बेहतर तैयारी, मजबूत खुफिया तंत्र, आधुनिक तकनीक और विनाशक सैन्य क्षमता से दिया जाए। असीम मुनीर के हाथों में ज्यादा ताकत आना पाकिस्तान के लिए शक्ति प्रदर्शन हो सकता है, लेकिन भारत के लिए यह एक स्पष्ट संकेत है कि पड़ोसी देश अपनी सैन्य संरचना को नए सिरे से ढाल रहा है।

एक दीप से प्रज्ज्वलित होते हैं अनगिनत दीप

नजरिया

भारत की आत्मा को यदि किसी एक शब्द में अभिव्यक्त करना हो, तो वह शब्द है—ज्ञान। और ज्ञान की इस अखंड परंपरा को पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ाने वाला सबसे पवित्र माध्यम रहा है—गुरु। भारत ने गुरु को कभी केवल पाठ पढ़ाने वाला व्यक्ति नहीं माना; वह जीवन का पथप्रदर्शक है, संस्कारों का संवाहक है, जिज्ञासा का जागरणकर्ता है और भविष्य का शिल्पकार है। इसीलिए हमारी

रमेश पोखरियाल 'निशंक'
वर्ष 2020 में भारत के शिक्षा मंत्री के रूप में पेरिस स्थित यूनेस्को मुख्यालय में भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला। उस यात्रा के दौरान मेरे मन में एक प्रश्न बार-बार उठ रहा था कि फिनलैण्ड जैसा देश शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर विश्व के अग्रणी देशों में कैसे बना रहता है। मैंने अपने सहयोगियों से आग्रह किया कि मेरी भेंट फिनलैण्ड की शिक्षा मंत्री से कराई जाए। बातचीत में मैंने उनसे यही प्रश्न पूछा। उनका उत्तर अत्यंत सहज था, किंतु उसके भीतर एक संपूर्ण शिक्षा-दर्शन छिपा था। उन्होंने कहा कि उनके देश में समाज के सर्वश्रेष्ठ और सबसे प्रतिभाशाली लोगों को शिक्षक बनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। शिक्षक का पद वहाँ अत्यंत प्रतिष्ठित माना जाता है और शिक्षक बनना आसान नहीं है। उस क्षण मुझे लगा कि शिक्षा की सफलता का रहस्य केवल विशाल भवनों, अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं या तकनीकी संसाधनों में नहीं छिपा है। उसकी सबसे बड़ी शक्ति उस शिक्षक में होती है, जो कक्षा में खड़ा होकर किसी बालक की आँखों में छिपे सपने को पहचान लेता है। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस और नॉर्वे के शिक्षा मंत्रियों से भी संवाद का अवसर मिला। अलग-अलग देशों की अपनी परिस्थितियाँ, संस्कृतियाँ और शिक्षा-व्यवस्थाएँ थीं, लेकिन एक बात समान रूप से दिखाई दी—जिन देशों ने शिक्षा को अपनी राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया, उन्होंने शिक्षक को भी उसी अनुपात में सम्मान, स्वतंत्रता और प्रतिष्ठ प्रदान की। तब यह और स्पष्ट हुआ कि यदि भारत को अपनी शिक्षा-व्यवस्था में व्यापक और स्थायी परिवर्तन लाना है, तो परिवर्तन का प्रारंभ शिक्षक से ही होना चाहिए। शिक्षक को सम्मान देना होगा, उसे निरंतर सीखने और स्वयं को विकसित करने के अवसर देने होंगे, उसके प्रशिक्षण को उत्कृष्ट बनाना होगा और समाज में अध्यापन को गौरवपूर्ण दायित्व के रूप में प्रतिष्ठित करना होगा।

मेरे लिए शिक्षा का यह विश्वास किसी पद पर रहते हुए पैदा नहीं हुआ। इसकी पहली अनुभूति मेरे बचपन की उन कठिन पगडंडियों पर हुई, जहाँ हिमालय की दुर्गम घाटियों से होकर मुझे लगभग आठ किलोमीटर पैदल विद्यालय जाना पड़ता था। वह यात्रा केवल घर से विद्यालय तक की यात्रा नहीं थी; वह मेरे जीवन की पहली पाठशाला थी। कभी धूप, कभी वर्षा, कभी ठंड और कभी कठिन पहाड़ी रास्ते—

यूपी चुनाव में हावी गठबंधन की राजनीति

अशोक भाटिया
सपा की इस रणनीति के जवाब में भारतीय जनता पार्टी भी खामोश नहीं बैठी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा ने अपनी संगठन मशीनरी को पूरी तरह से चुनावी मोड में डाल दिया है। भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका पत्रा प्रमुख और बुथ स्तर का ढांचा माना जाता है। उत्तर प्रदेश की राजनीति को भारतीय लोकतंत्र का हृदयस्थल माना जाता है। दिल्ली की गद्दी का रास्ता लखनऊ के गलियारों से होकर गुजरता है, यही कारण है कि देश के इस सबसे बड़े सूबे में होने वाली हर छेत्री-बड़ी राजनीतिक हलचल का असर राष्ट्रीय फलक पर साफ दिखाई देता है। वर्ष 2026 की समाप्ति के करीब आते ही और 2027 के विधानसभा चुनावों की आइट के साथ उत्तर प्रदेश में राजनीतिक दलों के बीच शह-मात का खेल पूरी तरह से शुरू हो चुका है। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों ने सूबे की राजनीतिक जमीन को जो नई शक्ल दी थी, उसके बाद हर दल अपनी रणनीतियों को धार देने में जुटा है। एक तरफ जहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) लगातार तीसरी बार उत्तर प्रदेश की सत्ता पर काबिज होकर इतिहास रचने की कवायद में जुटी है, वहीं दूसरी तरफ समाजवादी पार्टी अपने पौड़ीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) फॉर्मूले के सहारे दस साल के सत्ता के वनवास को खत्म करने के लिए एड्डी-चोटी का जोर लगा रही है। इस बार का चुनाव केवल पारंपरिक नारों या वादों पर आधारित नहीं रहने वाला, बल्कि यह जमीन पर रची जा रही नई सामाजिक और गठबंधन राजनीति की प्रयोगशाला बनने जा रहा है। इस राजनीतिक उछाटक और नए समीकरणों के निर्माण के बीच हाल ही में लखनऊ से एक बेहद महत्वपूर्ण और रणनीतिक खबर सामने आई, जिसने राज्य के सियासी हलकों में नई बहस छेड़ दी है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव तथा केंद्रोचर जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका के बीच लखनऊ में लगभग 90 मिनट यानी डेढ़ घंटे तक चली बंद कमरे की मेश्रथन मुलाकात ने राजनीतिक विश्लेषकों को चौंका दिया है। इस मुलाकात के मायने केवल एक शिष्टाचार भेंट तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह 2027 के महासमर से पहले उत्तर प्रदेश की युवा और छत्र राजनीति में एक बड़े बदलाव का संकेत है। आशुतोष रांका और अखिलेश यादव के बीच हुई इस चर्चा के केंद्र में मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश के नौजवानों के मुद्दे, लगातार होती परीक्षाओं के तैपेर लीक, बेरोजगारी, छात्रों की समस्याएं और उच्च शिक्षा में आ रही गिरावट जैसे विषय शामिल रहे। पार्टी के भीतर और बाहर इस मुलाकात को प्लान 2027 के एक अहम हिस्से के रूप में देखा जा रहा है। दरअसल, उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक नया



लेकिन विद्यालय पहुँचने की आकांक्षा हर कठिनाई से बड़ी थी। उन्हीं पगडंडियों ने मुझे सिखाया कि परिस्थितियाँ मनुष्य की गति को धीमा कर सकती हैं, उसके संकल्प को नहीं। वहाँ मैंने जाना कि शिक्षा केवल रोजगार का साधन नहीं है; वह व्यक्ति को अपने जीवन की दिशा चुनने का सामर्थ्य देती है। बाद में जब स्वयं अध्यापन का अवसर मिला और शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य के रूप में कार्य करने का दायित्व मिला, तब शिक्षक की भूमिका को और निकट से समझने का अवसर मिला। सामने बैठे बच्चे केवल विद्यार्थी नहीं होते। उनमें भविष्य के वैज्ञानिक, चिकित्सक, साहित्यकार, शिक्षक, प्रशासक, उद्यमी, सैनिक और राष्ट्रनिर्माता छिपे होते हैं। शिक्षक का स्पर्श उनके व्यक्तित्व को आकार देता है। एक शिक्षक कभी-कभी विद्यार्थी को केवल एक वाक्य कहता है, लेकिन वह वाक्य उसके पूरे जीवन की दिशा बदल सकता है। कभी एक प्रोत्साहन किसी संकोची बालक के भीतर आत्मविश्वास जगा देता है, तो कभी शिक्षक का विश्वास किसी सामान्य विद्यार्थी में असाधारण बनने की आकांक्षा पैदा कर देता है। यही शिक्षक की अदृश्य शक्ति है। शिक्षक ज्ञान का संचार करता है, लेकिन उसका सबसे बड़ा कार्य ज्ञान से भी आगे है—वह विवेक का निर्माण करता है। वह बच्चों को केवल यह नहीं बताता कि क्या सोचना है; वह उन्हें यह सिखाता है कि कैसे सोचना है। वह प्रश्न पूछने

का साहस देता है, असफलता से सीखना सिखाता है और जीवन की चुनौतियों के सामने खड़े होने का आत्मबल प्रदान करता है। इसी व्यापक दृष्टि को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भी स्थान दिया गया। जब इस नीति को आकार देने का अवसर मिला, तब हमारा स्पष्ट विश्वास था कि भारत को ज्ञान-आधारित, आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाना है तो शिक्षा को उसकी मूल शक्ति के साथ पुनर्स्थापित करना होगा। और शिक्षा की वह मूल शक्ति शिक्षक है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने शिक्षक शिक्षा को अधिक सुदृढ़ और व्यापक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की। बहुविषयक उच्च शिक्षा संस्थानों में शिक्षक शिक्षा के एकीकरण, वर्ष 2030 तक चार वर्षीय संमेकित बी.एड. को न्यूनतम योग्यता की दिशा में ले जाने तथा राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक जैसी पहलें इसी सोच की अभिव्यक्ति हैं। हमारा उद्देश्य केवल डिग्रीधारी शिक्षक तैयार करना नहीं है। हमारा उद्देश्य ऐसे शिक्षक तैयार करना है, जो भारतीय ज्ञान-परंपरा की गहराई को समझें, आधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी की गति से परिचित हों, विद्यार्थियों की बदलती मनोवैज्ञानिक आवश्यकताओं को समझें और उनमें सृजनात्मकता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, संवेदनशीलता तथा राष्ट्रबंध का विकास कर सकें। भारत की शिक्षा-दृष्टि सदैव मनुष्य को केंद्र में रखती रही है। हमारे

यहाँ शिक्षा का अर्थ केवल सूचना प्राप्त करना नहीं, बल्कि सा विद्या या विमुक्तये—अर्थात वह विद्या जो मनुष्य को अज्ञान, भय और सीमाओं से मुक्त करे। इसलिए हमारे लिए शिक्षक का दायित्व भी अत्यंत व्यापक है। भारत में शिक्षक दिवस महान दार्शनिक, शिक्षाविद् और पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर मनाया जाता है। उनका जीवन स्वयं इस बात का प्रमाण है कि अध्यापन केवल एक पेशा नहीं, बल्कि राष्ट्र और मानवता की सेवा का माध्यम है। सर्वोच्च संवैधानिक पद पर पहुँचने के बाद भी उन्होंने अपने शिक्षक-स्वरूप को सर्वोच्च माना। भारत रत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम भी शिक्षक की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण मानते थे। उनके लिए विद्यार्थियों के मन में स्वप्न जगाना और उन्हें उन स्वप्नों को साकार करने का सामर्थ्य देना शिक्षा का मूल उद्देश्य था। उनके जीवन का सबसे बड़ा संदेश यही था कि किसी राष्ट्र की वास्तविक शिक्षा उसके युवा मनों में छिपी होती है और उन मनों को दिशा देने का दायित्व शिक्षक का है। संत कबीर ने गुरु की महिमा को जिस आत्मीयता से व्यक्त किया, वह भारतीय मानस की गहराई को दर्शाती है— गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागू पाय। बलिहारी गुरु आपने, गोविंद दियो बताया। गुरु हमें केवल संसार का ज्ञान नहीं देते; वे हमें स्वयं को जानने की दृष्टि देते हैं। वे अंधकार में प्रकाश की दिशा बताते हैं। वे हमारी क्षमताओं को पहचानकर उन्हें सार्थकता प्रदान करते हैं। इसीलिए शिक्षक को राष्ट्र का माली कहना केवल एक सुंदर उपमा नहीं है। जैसे माली किसी पौधे को अपनी इच्छानुसार खींचकर बड़ा नहीं करता, बल्कि उसकी प्रकृति को समझकर उसे उचित मिट्टी, जल, प्रकाश और संरक्षण देता है, उसी प्रकार एक श्रेष्ठ शिक्षक विद्यार्थी की मौलिक प्रतिभा को पहचानता है और उसे विकसित करने का अवसर देता है। आज दुनिया तीव्र परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल प्रौद्योगिकी, स्वचालन और वैश्विक प्रतिस्पर्धा शिक्षा की परिभाषा को बदल रहे हैं। ऐसे समय में शिक्षक की भूमिका कम नहीं हुई है, बल्कि पहले से अधिक महत्वपूर्ण हुई है। मशीन सूचना दे सकती है, लेकिन संवेदना नहीं दे सकती। तकनीक उत्तर दे सकती है, लेकिन जीवन का अर्थ नहीं समझा सकती। कृत्रिम बुद्धिमत्ता विश्लेषण कर सकती है, लेकिन किसी बच्चे की आँखों में छिपे मौन प्रश्न को शिक्षक ही पढ़ सकता है।

स्वाधीनता आंदोलन में शरत जी की रही क्रांतिकारी भूमिका

रमेश शर्मा
भारतीय स्वाधीनता संग्राम में कुछ विलक्षण व्यक्तित्व ऐसे भी थे जिन्होंने अपने संघर्ष के साथ अंग्रेजों को भारत से बाहर करने केलिये नया इतिहास रचने वाली पीढ़ी तैयार की। ऐसे ही महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे शरत चन्द्र बोस। ये नेताजी सुभाषचन्द्र बोस के बड़े भाई थे। नेताजी सुभाषचन्द्र को इन्हीं ने आजाद हिन्द फौज गठित करने केलिये प्रेरित किया था। ऐसे विलक्षण व्यक्तित्व और विचारक शरत चन्द्र बोस का जन्म 6 सितम्बर 1889 को उड़ीसा प्राँत के अंतर्गत कटक में हुआ था। पिता जानकी नाथ बोस कटक उड़ीसा क्षेत्र के सुविख्यात एडवोकेट थे। उन्हें अंग्रेजों ने राय बहादुर की उपाधि से सम्मानित किया था। माता प्रभावती एक संस्कारवाान महिला थीं जो भारतीय परंपराओं के अनुरूप जीवन जीने की समर्थता थीं। शरत बाबू नेताजी सुभाषचन्द्र बोस के बड़े भाई थे। आयु में आठ वर्ष का अंतर था। सुभाष बाबू बचपन से शरत जी का अनुसरण करते थे और उनका मार्ग दर्शन लेकर आगे कार्य करते थे। समय के साथ शरत चन्द्र बोस का विवाह विभावती देवी से हुआ और परिवार कलकत्ता आ गया। शरद बाबू की आरंभिक शिक्षा कटक में हुई। आगे की पढ़ाई कलकत्ता में हुई। जब कलकत्ता आये तब पूरे बंगाल का वातावरण उथल पुथल से भरा था। अंग्रेजों ने बंगाल विभाजन की घोषणा कर दी थी जिसका भारी विरोध होनै लगा। यह विरोध दोनों प्रकार से था अहिंसक और क्राँतिकारी आंदोलन दोनों प्रकार से। शरत बाबू छत्र जीवन में थे और बंगाल विभाजन विरोधी आंदोलन से शामिल हुये। इसके साथ ही काँग्रेस से जुड़ गये। 1909 में उन्होंने कोलकाता के प्रेसीडेंसी कॉलेज से एम.ए. किया और इसी वर्ष काँग्रेस की विधिवत सदस्यता भी लेली। लगभग दो वर्ष कलकत्ता रहे और 1911 में कालकत पढ़ने लंदन चले गये। 1914 में गिरिस्टर बनकर और भारत लौट आये। कलकत्ता लौटकर कलकत के साथ सामाजिक जीवन में भी सक्रिय हुये। वे कई बार कलकत्ता नगर निगम के एल्वरमैन बने और बंगाल विधान परिषद के सदस्य भी रहे। वे अंग्रेजों द्वारा भारतीयों के अपमान के विरुद्ध थे और प्रयास करते थे कि भारतीयों को वही नागरिक सम्मान मिले जो अंग्रेजों का था। वे गुप्त रूप से क्राँतिकारियों की सहायता करने लगे। उनकी ओर से अदालत में पैरवी भी की। इसके साथ वे भारतीय परिवारों के आंतरिक जीवन में अपनी परंपराओं के समर्थक थे। लेकिन खुलकर सामने आये 1930 में। तब देश में सविनय अवज्ञा आंदोलन आरंभ हुआ। शरत जी ने अपनी पैक्ट्रस और अन्य सभी दायित्व त्याग कर आंदोलन में शामिल हो गये। सविनय अवज्ञा आंदोलन में शामिल होने के कारण उन्हें 1932 में गिरफ्तार हुये और तीन साल का कारावास मिला।

जेल से मुक्त होने के बाद अंग्रेजों से भारत की मुक्ति केलिये अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तैयारी आरंभ की। शरत जी फारवर्ड ब्लॉक से जुड़े और अनेक विदेश यात्राएँ कीं। वे भारत के बाहर अंग्रेजों के विरुद्ध विश्व जनमत बनाना चाहते थे। जापान और जर्मनी की राजशांति की भारतीय क्रांतिकारियों जोड़ने में शरत जी महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने ही नेताजी सुभाषचन्द्र बोस को आजाद हिन्द फौज का नेतृत्व संभालने केलिये न केवल प्रेरित किया अपितु गुप्त रूप से सैन्य भर्ती अभियान भी चलाया। 11 दिसंबर 1941 को उन्हें घर में नजरबंद कर दिया गया। यह नजरबंदी उनकी अकेले की नहीं थी। नेताजी सुभाषचन्द्र बोस को भी उनके साथ नजरबंद किया गया था। उन्होंने सुभाष बाबू को वेश बदलकर और शरीर पर भूरा लेप लगाकर नजरबंदी से निकाल दिया था। यह शरत बाबू की ही युक्ति थी जिससे सुभाष चंद्र बोस सुरक्षित निकल सके और आजाद हिन्द फौज का काम आगे बढ़ सका। वे चार वर्षों तक अपने ही घर में नजरबंद रहे। नजरबंदी हटो तो पुनः काँग्रेस में सक्रिय हो गये। 1945 के बाद भारत से अंग्रेजों की विदाई और भारत के विभाजन की भूमिका बनने लगी। वे संविधान सभा के सदस्य बने। लेकिन उन्हें जल्दी ही संविधान निर्माण सभा छोड़ना पड़ी।



2017 से पहले बाढ़ की समस्या पर तत्कालीन सरकार नहीं देती थी ध्यान

राहत के नाम पर प्रभावितों को मिलता था केवल सूखा ब्रेड: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने हवाई सर्वेक्षण कर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का लिया जायजा, प्रभावित परिवारों को वितरित की राहत सामग्री

समय जगत चित्रकूट। मा0 मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार योगी आदित्यनाथ जी के द्वारा राष्ट्रीय रामायण मेला परिसर सीतापुर जनपद चित्रकूट में बाढ़ प्रभावित 800 परिवारों को राहत सामग्री का वितरण, बाढ़ में आश्रयहीन हुए परिवारों को आवास हेतु भूमि आवंटन प्रमाण पत्र एवं आपदा मोचक निधि से राहत राशि का वितरण कार्यक्रम तथा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया गया। मा0 मुख्यमंत्री जी ने चित्रकूट की पावन धरा को नमन करते हुए कहा कि चित्रकूट में मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम ने लगभग 12 वर्ष जिस धरा पर रहकर के ऋषि मुनियों के सानिध्य में राम राज्य की परिकल्पना को साकार किया था, कामतानाथ की परिक्रमा के माध्यम से जहां हर श्रद्धालु अपने जीवन की मनोकामना की पूर्ति करता है और मां मंदाकिनी में पावन स्नान करके जहां प्रत्येक सनातनधर्मी अपने जीवन को धन्य करता है ऐसी पवन चित्रकूट की पावन धरा को जैसे हजारों वर्षों से ऋषि मुनियों के पवित्र साधना की स्थल बनने का गौरव प्राप्त हुआ है मैं कोटि-कोटि नमन करते हुए आप सभी कामेश्वर पर स्वागत करता हूँ अभिनंदन



करता हूँ आज के इस बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री वितरण के कार्यक्रम में यहां पर उपस्थित उत्तर प्रदेश सरकार में जल शक्ति मंत्री श्री स्वतंत्र देव सिंह, इस जिले के प्रभारी मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नदी, विधायक मानिकपुर से अविनाश चन्द्र द्विवेदी, जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव, अध्यक्ष जिला सहकारी बैंक पंकज अग्रवाल, भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष महेंद्र कोटार्य, पूर्व सांसद आर के सिंह पटेल, भैरव प्रसाद मिश्रा, रमेश चंद्र द्विवेदी, उत्तर प्रदेश सरकार में पूर्व मंत्री रहे चंद्रिका प्रसाद उपाध्याय, पूर्व विधायक आनंद शुक्ला और चित्रकूट के मंदाकिनी नदी में अभी हाल ही में आए हुए

जल प्लावन की इस भीषण आपदा के दौरान प्रभावित परिवारों से जुड़े हुए सभी हमारे सदस्यगणों, भाइयों और बहनों आज आपदा की इस घड़ी में आप सबको राहत सामग्री के साथ-साथ डबल इंजन की भारतीय जनता पार्टी की सरकार की ओर से मैं आश्चर्य करने के लिए आया हूँ की आपदा इस घड़ी में आप अकेले नहीं है बल्कि डबल इंजन की सरकार भारतीय जनता पार्टी के कोटि-कोटि कार्यकर्ताओं के साथ आपके साथ खड़ी है मैंने अभी मंदाकिनी नदी के कारण यहां पिछले दिनों आई भीषण आपदा से जो त्रासदी हुई है पहले हवाई सर्वेक्षण और फिर मौके पर जाकर के भी चित्रकूट के अंदर

रामघाट में और अगल-बगल के क्षेत्रों का निरीक्षण करके आपदा की इस त्रासदी को देखा है जिस दिन यहां पर अचानक पानी आया था मैं उस दिन बलिया में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के दौर पर था मुझे जैसे आपदा का पता लगा मैं तत्काल लखनऊ में डीजी पीएसी को कह करके एसडीआरएफ और पीएसी की अतिरिक्त कंपनियां जो फ्लैट कंटेनर करती है और बचाव के कार्यों को तेजी के साथ बढ़ाती हैं उनको फिर चित्रकूट के लिए रवाना करवाया, हमारे पास जब पानी आया था तब एक ही कम्पनी एसडीआरएफ की यहां पर थी और अगले दो-तीन घंटे के अंदर आठ कंपनियां एसडीआरएफ एनडीआरएफ और पीएसी की फ्लड यूनिट की चित्रकूट में बचाव और राहत कार्य की समीक्षा करते हुए यहां पर कार्य युद्धस्तर पर बाढ़ राहत कार्यों को आगे बढ़ा रहे थे और बचाव के कार्यों को कर रहे थे मैंने उसे दिन रात्रि को सायंकाल सात बजे फिर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग भी की, यहां के जिला प्रशासन के साथ यहां के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मैंने इस कार्य की समीक्षा की।

कीरत सागर की जलकुंभी सफाई में हुई गड़बड़ी?

नगर पालिका की व्यवस्थाओं पर उठे सवाल, जिम्मेदारों द्वारा दिया जाए ध्यान

महोबा। ऐतिहासिक कीरत सागर में जलकुंभी सफाई अभियान के नाम पर नगर पालिका द्वारा कराए गए कार्य को लेकर अब खर्च के हिसाब-किताब पर सवाल खड़े होने लगे हैं। मशीनों से कराई गई सफाई में कितने लीटर डीजल की खपत हुई, किस वाहन अथवा मशीन में कितना ईंधन डाला गया और इसके एवज में नगर पालिका द्वारा कितने रुपये का भुगतान किया गया, इसका पूरा ब्यौरा सार्वजनिक किए जाने की मांग उठ रही है। बतताया जाता है कि कीरत सागर से जलकुंभी हटाने के लिए मशीनों का इस्तेमाल किया गया। हालांकि रिपोर्टों में भी नगर पालिका द्वारा वर्ष 2023 व 20 24 व 2025 व 2026 में जलकुंभी सफाई अभियान को लेकर उठे सवाललेकिन बड़ा सवाल यह है कि सफाई अभियान के दौरान डीजल की वास्तविक खपत कितनी रही? क्या प्रत्येक दिन की मशीन संचालन अवधि का लॉगबुक तैयार हुआ? डीजल खरीद के बिल, वाहन/मशीन की लॉगबुक, स्टॉक रजिस्टर और भुगतान वाउचर में दर्ज आंकड़े आपस में मेल खाते हैं या नहीं?

कहां गया कितना डीजल? नगर पालिका के जिम्मेदारों से यह जानकारी सामने आनी चाहिए कि सफाई अभियान की शुरुआत से अब तक कुल कितने



लीटर डीजल खरीदा गया और उस पर कितनी धनराशि खर्च हुई। साथ ही मशीन के संचालन के दिनों, प्रतिदिन की डीजल खपत और संबंधित फर्म/पेट्रोल पंप को किए गए भुगतान का विवरण भी सार्वजनिक होना चाहिए। **भुगतान की फाइल खुले तो सामने आएगा पूरा सच!** सफाई कार्य से जुड़े वर्क ऑर्डर, स्वीकृत बजट, डीजल के बिल, मशीन की लॉगबुक, माप पुस्तिका, भुगतान वाउचर और संबंधित ठेकेदार/फर्म के भुगतान विवरण की जांच कराई जाए तो साफ हो सकता है कि अभियान में वास्तव में कितना खर्च हुआ

और कितना भुगतान किया गया। गौरतलब है कि कीरत सागर में जलकुंभी की समस्या को लेकर पहले भी सफाई अभियान और श्रमदान की खबरें सामने आती रही हैं। अब सवाल सिर्फ जलकुंभी की सफाई का नहीं, बल्कि सफाई के नाम पर खर्च हुए एक-एक रुपये के हिसाब का है। नगर पालिका यदि पारदर्शिता का दावा करती है तो डीजल की खपत और भुगतान का पूरा रिकॉर्ड सार्वजनिक करने में देरी क्यों? जिम्मेदार अधिकारियों का पक्ष मिलने पर उसे भी खबर में प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

महोबा में 11 से 13 सितंबर तक सजेगा पत्रकारों का कुंभ

संवाद, सम्मान और संकल्प के साथ जुटेंगे पत्रकार — बुंदेली गौरव से सम्मानित होंगी विभूतियां



महोबा। महोबा की ऐतिहासिक धरती पर 11 से 13 सितंबर 2026 तक पत्रकारिता जगत का बड़ा आयोजन होने जा रहा है। न्यू प्राइवेट बस स्टैंड के पास, छतरपुर रोड स्थित कम्युनिटी गार्डन में यू.पी. वर्किंग जर्नलिस्ट्स यूनियन का प्रादेशिक प्रतिनिधि सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। प्रेस क्लब महोबा के तत्वावधान में होने वाला यह आयोजन पत्रकारों के लिए संवाद, सम्मान और संगठनात्मक संकल्प का महत्वपूर्ण मंच बनेगा।

सम्मेलन में प्रदेशभर से पत्रकार और संगठन के प्रतिनिधि जुटेंगे। पत्रकारिता से जुड़े समसामयिक मुद्दों, पत्रकारों की चुनौतियों, अधिकारों और संगठन को मजबूत करने के साथ-साथ बदलते मीडिया परिदृश्य पर विचार-विमर्श होगा। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण +बुंदेली गौरव सम्मान+ होगा। बुंदेली माटी से उपजी उन विशिष्ट विभूतियों को सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने पत्रकारिता, प्रशासन, शिक्षा, साहित्य, कला और फिल्म जगत में अपनी

प्रतिभा और योगदान से बुंदेलखंड की पहचान को नई ऊंचाई दी है। सम्मेलन में संगठन की पत्रिका का विमोचन भी किया जाएगा। इसके साथ ही बुंदेलखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को मंच देने के लिए पर्यटन, बुंदेली लोककला और लोकसंगीत की रंगारंग प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी। आयोजन में बुंदेली संस्कृति की खुशबू स्थानीय पारंपरिक व्यंजनों के माध्यम से भी महसूस की जा सकेगी। अतिथियों और प्रतिभागियों को

बुंदेली व्यंजनों के सुस्वाद का आनंद लेने का अवसर मिलेगा। महोबा में होने वाला यह सम्मेलन केवल पत्रकारों का संगठनात्मक आयोजन नहीं, बल्कि बुंदेली संस्कृति, प्रतिभा और पत्रकारिता के संगम का उत्सव बनने जा रहा है। 11 से 13 सितंबर 2026 7 कम्युनिटी गार्डन, न्यू प्राइवेट बस स्टैंड के पास, छतरपुर रोड, महोबा आइए, बुंदेली माटी में पत्रकारिता के इस महाकुंभ का हिस्सा बनें— संवाद के लिए, सम्मान के लिए और एक नए संकल्प के लिए।

संक्षिप्त समाचार

किराना दुकान में चोरी का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार, 44,990 रुपये बरामद



समय जगत, बड़वाह। काटकूट में लालजी मार्ट किराना दुकान के शटर का ताला तोड़कर नकदी और चांदी के सिक्के चोरी करने वाले आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के कब्जे से 44,990 रुपये नकद, साथ ही चोरी के पैसों से खरीदे गए जूते, कपड़े और मोबाइल जब्त किए गए हैं। पूछताछ में आरोपियों ने महंगे शौक पूरे करने के लिए चोरी करना कबूल किया है। गिरफ्तार आरोपी राकेश उर्फ छोटू पर इंडौर में चोरी के 05 अपराध पहले से दर्ज हैं। इस सफल कार्रवाई में ीचौकी प्रभारी काटकूट अजय कुमार झा, रकम सिंह चौहान, जितेंद्र कौरव, अनिल यादव, शुभम तोमर, दिया लाल और मुकेश कुशवाहा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। यह कार्रवाई पुलिस महानिरीक्षक इंदौर जन और उप पुलिस महानिरीक्षक निमाड रेंज सुशी सिमाला प्रसाद के निर्देश पर, पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री रविन्द्र वर्मा एवं अति. पुलिस अधीक्षक (साइबर) बिबु सहगल के मार्गदर्शन में की गई।

जानलेवा हमले के आरोपी को पुलिस द्वारा लिया गया हिरासत में

समय जगत राठ (हमीरपुर)। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम औंता में बीते दिन शुक्रवार की शाम को आपसी कहासुनी के बाद एक युवक पर सारदार वस्तु से हमला कर घायल कर दिया गया। घटना के बाद पुलिस ने आरोपित को हिरासत में लेकर पुष्करछ शुरु कर दी है। जानकारी के अनुसार ग्राम औंता निवासी भूरा पुत्र मान सिंह का गांव के ही कल्लू वाल्मीकि पुत्र सियाग्राम वाल्मीकि से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इसी दौरान आरोप है कि नशे की हात में कल्लू वाल्मीकि ने किसी धारदार वस्तु से भूरा पर हमला कर दिया। हमले में भूरा घायल हो गया। सूचना मिलते ही राठ कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को तत्काल सीएचसी राठ पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए उसे जिला अस्पताल हमीरपुर रेफर कर दिया। पुलिस के अनुसार घायल की हालत फिलहाल सामान्य बताई जा रही है। पुलिस ने आरोपित कल्लू वाल्मीकि को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक मामले में अभी तक कोई लिखित तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर मिलने के बाद नियमानुसार आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में बाढ़ राहत एवं पुनर्वास को लेकर समीक्षा बैठक संपन्न

समय जगत, चित्रकूट। मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में जनपद चित्रकूट में आई बाढ़ से उत्पन्न परिस्थितियों, राहत एवं बचाव कार्यों तथा प्रशासन क्षेत्रों में पुनर्वास एवं विकास कार्यों को लेकर न्यू सॉफ्ट हाउस, देवांगना में समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से बाढ़ से हुए नुकसान एवं राहत कार्यों की विस्तृत जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने व्यापारियों को हुए नुकसान की जानकारी लेते हुए जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे राहत कार्यों के संबंध में जानकारी ली। जिलाधिकारी ने बताया कि वर्तमान में प्रभावित व्यापारियों को कपड़े, बर्तन की सहायता उपलब्ध कराई जा रही है एवं तहसील कवीं में बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में अबतक 35000 लंच पैकेट, राशन किट 4500 और 650 खातों में पचास लाख रुपये वितरित किए जा चुके हैं मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिए कि प्रभावित व्यापारियों, संतों एवं किसानों के नुकसान का सर्वे कराकर उनकी सूची तैयार की जाए तथा पात्र व्यक्तियों को नियमानुसार शीघ्र सहायता उपलब्ध कराई जाए। मुख्यमंत्री जी ने किसानों की फसल को हुए नुकसान का सर्वे प्राथमिकता के आधार पर कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के मकान पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं, उनका सर्वे कराकर पात्र परिवारों को पट्टे की भूमि उपलब्ध कराने के साथ ही आवास की सुविधा प्रदान की जाए। आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त मकानों की मरम्मत के लिए नियमानुसार आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए तथा ग्रामीण क्षेत्रों में प्रभावित पात्र परिवारों जी राम जी योजनाओं से लाभान्वित किया जाए। उन्होंने जनपद में उपलब्ध राहत किट की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि शेष राहत किट का वितरण 48 घंटे के भीतर प्रत्येक पात्र प्रभावित व्यक्ति तक सुनिश्चित कराया जाए। राहत सामग्री की गुणवत्ता उच्च स्तर की होनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि राहत एवं पुनर्वास कार्यों में जाति, धर्म अथवा किसी अन्य भेदभाव के बिना केवल पात्रता के आधार पर लाभार्थियों को सहायता प्रदान की जाए। नदी के अतिक्रमण चिन्हित कर बाढ़ की समस्या का स्थायी समाधान करने के निर्देश: मुख्यमंत्री जी ने जिलाधिकारी को निर्देशित किया कि मंदाकिनी नदी एवं नदी के किनारे क्षेत्रों में हुए अतिक्रमण को शीघ्र चिन्हित कराया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वर्ष बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होती है तथा बड़े क्षेत्र से आने वाले पानी की निकासी के लिए नदी का पर्याप्त विस्तार आवश्यक है। नदी के संकरे होने से बाढ़ के दौरान नुकसान की संभावना बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि इस बार जनहानि नहीं हुई, लेकिन व्यापक स्तर पर धनहानि हुई है। उन्होंने बाढ़ की स्थिति को गंभीर आपदा बताते हुए इसके स्थायी समाधान के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

बेतवा नदी के किनारे पानी में उतराता मिला महिला का शव शिनाख्त में जुटी पुलिस

समय जगत राठ (हमीरपुर)। चिकासी थाना अंतर्गत ग्राम बड़ेरा खालसा के पास बेतवा नदी के किनारे एक अज्ञात महिला का शव मिलने से ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों की सूचना पर चिकासी थाना की पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी की। इसके बाद शव की शिनाख्त हेतु शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राठ के शव गृह में रखवाया गया है। वहीं पुलिस बरामद हुए शव की शिनाख्त में जुटी हुई है। चिकासी थानाध्यक्ष मयंक चंदेल ने बताया कि मृतका की उम्र करीब 30 से 35 वर्ष अनुमानित है। उसका रंग गोरा और कद लगभग पांच फीट दो इंच है। महिला ने पीले रंग की शर्ट पहन रखी है, जिस पर काले रंग के बिंदीनुमा डिजाइन बने हैं। इसके अलावा काले रंग की सलवार पहने हुए है। मृतका के दाहिने हाथ में कलावा बंधा है, जबकि बाएं हाथ में दो लाल रंग और एक हरे रंग की चूड़ी पहनी हुई है। पुलिस ने शव की पहचान के लिए आसपास के जनपदों में सूचना प्रसारित करने के साथ ही अन्य माध्यमों से भी लगातार प्रयास शुरू कर दिए हैं। चिकासी पुलिस ने आमजन से अपील की है कि यदि कोई व्यक्ति उक्त हुलिय की महिला को पहचानता हो या उसके संबंध में कोई सकारात्मक जानकारी हो तो तत्काल पुलिस को सूचना दें। उन्होंने बताया कि शव की शिनाख्त के प्रयास किये जा रहे हैं तथा शव को सीएचसी राठ के शव गृह में रखवाया गया है।

शिक्षक दिवस पर राठ में सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान: बज्जे तामीर समिति ने शॉल और स्मृति चिन्ह देकर किया नागरिक अभिनंदन

समय जगत राठ हमीरपुर। शिक्षक दिवस के अवसर पर बज्जे तामीर सांस्कृतिक समिति ने शनिवार को सेवानिवृत्त शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया। इस दौरान शिक्षा और समाज निर्माण में योगदान देने वाले पांच सेवानिवृत्त शिक्षकों को शॉल ओढ़ाकर, माल्यार्पण और स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में के.जी. अग्रवाल मौजूद रहे, जबकि रामगोपाल गुप्ता और शैलेश त्रिपाठी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। समारोह की अध्यक्षता शफीक मोहम्मद ने की। समारोह में वक्ताओं ने कहा कि शिक्षक समाज की वास्तविक धरोहर हैं और नई पीढ़ी के निर्माण में उनकी भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। समिति के संस्थापक डॉ. जमील राठवी सहित सईद मोहम्मद अंसारी, अय्यूब



खान, सलाहउद्दीन, हलीम उल्ल खान, प्रदीप गुप्ता, नवीन कुमार बघौलिया, पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी, बाल सिंह राजपूत, विनय राजपूत, काशी प्रसाद

बिहारी और रणजीत सिंह का नागरिक अभिनंदन किया। उपस्थित लोगों ने सभी शिक्षकों के उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की। कार्यक्रम का संचालन मोहम्मद रिजवान ने किया। उन्होंने अपनी सहज और प्रभावी शैली से समारोह को संचालित किया। समारोह के अंत में समिति के सचिव मोहम्मद अतीक ने अतिथियों, सम्मानित शिक्षकों और उपस्थित लोगों का आभार जताया। इस मौके पर समिति के उपाध्यक्ष साजिद खान, कोषाध्यक्ष मुन्नू अंसारी, विंग्स मेंबर परवेज अहमद, उमर खान, अनम रऊफ, जईम उल्ल खान, रहमत बेग, रईस अंसारी, शेख रईस, मैराज अंसारी, नासिर अंसारी, राशिद वारसी, नफासत उल्ल, गुलज़र उल्ल, मोमिन खान सहित कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

एक वर्ष पूर्व बनी स्टेशन मार्ग की पुलिया का एप्रोच मार्ग ध्वस्त

समय जगत भरुआ सुमेरपुर। करीब एक वर्ष पूर्व कस्बे के स्टेशन मार्ग में लक्ष्मीबाई तिराहा के समीप नगर पंचायत द्वारा बनाई गई पुलिया का एप्रोच मार्ग क्षतिग्रस्त होने से घंटियां निर्माण की कलह खुल गई है। स्टेशन मार्ग निवासी सपा नेता नंदकिशोर शिवहर, रिवशा चालक धीरू यादव, गुड्डू गुप्ता, अरविंद पाण्डेय, लल्लू प्रजापति, सुशील पाल, भोला, इमरान आदि ने बताया कि लगभग एक वर्ष पूर्व नगर पंचायत ने करीब दस लाख की लागत से पुलिया एवं इसके एप्रोच मार्ग का निर्माण कराया था। घंटियां निर्माण कराए जाने से इस पुलिया का एप्रोच मार्ग एक वर्ष में क्षतिग्रस्त होने लगा है। रिवशा चालकों का कहना है कि एप्रोच मार्ग के क्षतिग्रस्त होने से ई रिवशों के पलटने की संभावना बढ़ने लगी है। मजबूरी में रिवशों को धीमी गति से निकलना पड़ रहा है।

निवाद के गो आश्रय स्थल के बाहर 20 गोवंश मृतक मिले



समय जगत हमीरपुर। विकासखंड मुस्करा के निवादा गांव स्थित गो-आश्रय स्थल के बाहर शुक्रवार शाम कई गोवंश मृत पड़े मिले। ग्रामीणों का आरोप है कि मौके पर 20 गोवंश मृत पड़े थे। गो संरक्षक दल और विभागीय कमियों ने गोवंशों की अंत्येष्टि कराई। बीडीओ ने कहा कि छह गोवंश मृत मिले हैं जबकि सचिव का कहना है कि 12 मृत गोवंशों को दफनया गया है। गांव निवासी राष्ट्रीय गो संरक्षक दल के जिलाध्यक्ष रामधनी व भाजपा मंडल कार्य समिति के सदस्य अजय सिंह चंदेल ने बताया कि शुक्रवार शाम राठ-हमीरपुर रोड से लगभग दो किलोमीटर कोछवीर में चलकर वह लोग गोआश्रय स्थल पहुंचे। वहां मौजूद कर्मचारी ट्रैक्टर से मृत मवेशियों को घसीटकर गोशाला से बाहर ले जा रहे थे। उन्हें देखते ही वह लोग ट्रैक्टर खड़ा कर गोशाला में ताला लगाकर भाग गए। उन्होंने बताया कि आश्रय स्थल के बाहर करीब 20 गोवंश मृत पड़े थे। ताला बंद होने के कारण वह लोग अंदर नहीं जा सके। बाहर से देखा गया तो वह से सात गोवंश अंदर मृत पड़े दिखे। आरोप है कि मवेशियों को चारा नहीं दिया जाता है और पूरी गोशाला में दलदल होने के कारण गोवंश रात-दिन कीचड़ में खड़े रहते हैं। भूखे पेट मवेशी अत्यंत ही कमजोर हो गए हैं और दलदल में फंसे होने की वजह से दम तोड़ रहे हैं। शनिवार को गो संरक्षक दल के जिलाध्यक्ष, ग्रामीणों सहित एडीओ पंचायत धर्मंद कुमार, पशु चिकित्साधिकारी डॉ. धर्मपाल और सचिव रामसेवक ने मृत गोवंशों की अंत्येष्टि की। बीडीओ राजीव कुमार सिंह ने बताया कि गोशाला के बाहर पांच-छह मवेशी मृत मिले हैं। वहीं सचिव रामसेवक का कहना है कि कुल 12 मवेशियों को दफनवाया गया है। शेष मवेशियों को भररसमंड इंटर कॉलेज के सामने बने बड़ पड़े अटल उपवन अंत्येष्टि स्थल में शिफ्ट कर दिया गया है। संबंधित गोशाला को वहां से हटाकर दूसरी जगह शिफ्ट कराई गई है। आश्रय स्थल काफ़ी बंद हो जाने से समस्या हुई है। लगातार बारिश के चलते कीचड़ और दलदल हो गया है। जल्द ही व्यवस्था दुरुस्त कराई जा रही है।

मरीजों के उपचार व्यवस्था की मानीटरिंग का बनाएं माइयूल: डिप्टी सीएम श्री शुक्ल

उप मुख्यमंत्री ने उपचार व्यवस्था बेहतर करने के लिए निर्देश

समय जगत, रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने मेडिकल कॉलेज सभागार रीवा में आयोजित बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रोगियों के उपचार व्यवस्था की सचन मानीटरिंग आवश्यक है। आयुक्त स्वास्थ्य विभाग गंभीर रोगियों के उपचार

और निगरानी का माइयूल बनाकर प्रदेश के सभी मेडिकल कालेजों में लागू करें। गंभीर रोगियों को सीनियर और विशेषज्ञ डॉक्टरों अनिवार्य रूप से देखें। मेडिकल कालेज के अस्पतालों में सीनियर डॉक्टर से लेकर नर्स तक की जिम्मेदारी तय करें। सीनियर डॉक्टरों तथा गंभीर रोगियों के उपचार के लिए एसओपी तैयार करें। अस्पतालों में आने वाले प्रत्येक रोगी को स्वस्थ करने का सेवा भाव से प्रयास करना डॉक्टरों की जिम्मेदारी है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि मेडिकल कालेज में सीटें बढ़ी हैं। अस्पतालों में उपचार सुविधाओं का भी

तेजी से विस्तार हो रहा है। मेडिकल कालेज और अस्पतालों के लिए आवश्यक मानव संसाधन की व्यवस्था करें। नर्सों की भर्ती शुरू की जा रही है। इससे नर्सों की कमी दूर होगी। संजय गांधी अस्पताल के गायनी विभाग में रीवा के साथ-साथ आसपास के कई जिलों के रेफरल मरीज आते हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और जिला चिकित्सालय में भी गर्भवती



महिलाओं के उपचार तथा सिजेरियन की उचित व्यवस्था करें जिससे संजय

गांधी अस्पताल में रोगियों का दबाव कुछ कम हो। रोगियों को बेहतर उपचार

सेवा देने के संबंध में मेडिकल कालेज के विभागाध्यक्ष और सीनियर डॉक्टर पूरी तरह से सक्षम हैं। मानीटरिंग करके व्यवस्थाओं को बेहतर करने की आवश्यकता है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सीनियर डॉक्टर ओपीडी में सेवाएं देते हैं। इसके साथ-साथ मेडिकल कालेज में डॉक्टरों को पढ़ाते हैं। संजय गांधी हास्पिटल के वार्डों का निरीक्षण करना भी उनके प्रोटोकाल में शामिल है। इन सब कार्यों को सही मानीटरिंग व्यवस्था से व्यवस्थित करें। विभागाध्यक्ष और डीन मिलकर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें।

बैठक में वीडियो कान्फ्रेंसिंग से शामिल आयुक्त स्वास्थ्य विभाग एस धनराजू ने कहा कि बैठक में दिए गए निर्देशों का पूरी तरह से पालन किया जाएगा। मेडिकल कालेज के अस्पताल के साथ-साथ सभी अस्पतालों में उपचार व्यवस्था की मानीटरिंग के लिए समुचित प्रबंध किए जाएंगे। बैठक में मेडिकल कालेज के डीन डॉ. सुनील अग्रवाल, संजय गांधी अस्पताल के अधीक्षक डॉ प्रियंक शर्मा, अधीक्षक सुपर स्पेशलिटी डॉ. अक्षय श्रीवास्तव, डॉ. मनोज इंदुलकर, डॉ. नरेश बजाज तथा मेडिकल कालेज के सभी फैकल्टी के विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे।

प्राथमिक शाला नाना का बाग परिसर में भरा पानी, हो रही परेशानी



विदिशा। जिला मुख्यालय स्थित कलेक्टरेट कार्यालय के पीछे नाना का बाग भगत सिंह कॉलोनी में स्थित शासकीय प्राथमिक शाला नाना का बाग स्कूल की हकीकत जानना है तो स्कूल जाकर देखें और अपने आप स्पष्ट हो जाएगा कि बच्चे और शिक्षक किस परेशानी से गुजर रहे हैं। स्कूल परिसर में पानी भरा होने के कारण बच्चों को आने-जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहाँ स्कूल परिसर में बच्चों के लिए बने शौचालय भी क्षतिग्रस्त हो चुके हैं और हैंडपंप के आसपास कीचड़ होने के कारण बच्चों को पीने का पानी मुश्किल भरा होता है। हालांकि शिक्षा विभाग द्वारा जिले के सभी शासकीय प्राथमिक और मिडिल स्कूलों में सभी व्यवस्थाएं होने के दावे किए जाते हैं, लेकिन जब जिला मुख्यालय के ही हाल बेहाल है तो ग्रामीण क्षेत्रों में क्या हाल होगा।

बताया की स्कूल परिसर के पानी की निकासी न होने के कारण पानी भरा रहता है और इसी पानी में से बच्चे निकल कर स्कूल जाते हैं। छोटे-छोटे बच्चे पानी से होकर ही अपनी कक्षा तक पहुंच पाते हैं और स्कूल में जो बच्चों के लिए सुविधा होना चाहिए वह भी नहीं है। उन्होंने कहा कि स्कूल में बने हुए शौचालय क्षतिग्रस्त हो चुके हैं, जिसके कारण से यहां पढ़ने वाले बच्चों के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बारिश का पानी स्कूल परिसर में भर जाने के कारण वह धीरे-धीरे निकलता है और बाद में कीचड़ हो जाती है, जिसके कारण से बच्चों के कपड़े भी खराब हो जाते हैं। इस और प्रशासन को ध्यान देना चाहिए और पानी की निकासी की व्यवस्था करना चाहिए जिससे कि स्कूल परिसर में पानी न भर सके। उन्होंने कहा कि स्कूल परिसर में ही बच्चों के पानी पीने के लिए हैंडपंप

लगा हुआ है जिसके चारों तरफ कीचड़ हो रही है। इसी कीचड़ में से निकलकर बच्चे हेडपंप तक पहुंच पाते हैं। उन्होंने कहा कि विभाग के अधिकारी इस और कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं जिसके कारण से पिछले कई दिनों से बच्चे परेशान हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि पानी की निकासी की व्यवस्था विभाग के अधिकारियों को करना चाहिए ताकि स्कूल में आने वाले बच्चे कीचड़ और पानी से बच सकें और आसानी से अपनी कक्षाओं तक पहुंच सकें। रहवासियों का कहना था कि विभाग द्वारा दावे तो बड़े-बड़े किए जाते हैं लेकिन इस स्कूल की हालत सुधारने की और अब तक कोई ठोस कदम विभाग द्वारा नहीं उठया गया है। पास में ही कलेक्ट्रेट कार्यालय, एसडीएम कार्यालय और तहसील कार्यालय है, इसके बाद इस स्कूल की हालत काफी खराब हो रही है और कोई भी अधिकारी द्वारा इस और कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए स्कूल की समस्याओं का निराकरण किया जाए। अब देखने वाली बात तो यह होगी कि आखिर कब तक इस स्कूल की सूरत बदलती है और बच्चों के लिए पानी और कीचड़ भर मैदान से कब मुक्ति मिलती है।

इनका कहना है

स्कूल परिसर में पानी भरे और कीचड़ होने सहित अन्य समस्याओं की टीम भेजकर सोमवार को जांच कराई जाएगी और जल्दी ही समस्या का निराकरण किया जाएगा।
आरपी लखेर, डीपीसी विदिशा

मुनहाई में लोक कल्याण शिविर आज, 12 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों को मिलेगा लाभ

मऊगंज। जिले में आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण एवं पात्र हितग्राहियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से 7 सितंबर 2026 को जनपद पंचायत हनुमान अंतर्गत ग्राम पंचायत मुनहाई में लोक कल्याण शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर का आयोजन कलेक्टर संजय कुमार जैन के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। शिविर में मुनहाई, जड़कुड, नकवार, बीरादेई, पिराही, सरदमन, हरई प्रताप सिंह, बावनगढ़, खोढ़मानी, बलभद्रगढ़, कैलाशपुर, रघुनाथगढ़ ग्राम पंचायतों के ग्रामीजन अपनी समस्याएं एवं आवेदन प्रस्तुत कर सकेंगे। विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी शिविर में उपस्थित रहकर ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण करेंगे तथा पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने की कार्यवाही करेंगे। शिविर में सीएम हेल्पलाइन, लोक सेवा गारंटी के अंतर्गत दर्ज आवेदन, जनसुनवाई से प्राप्त आवेदन तथा अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों एवं आवेदनों का निराकरण प्राथमिकता से किया जाएगा। संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि शिविर से पूर्व अपने विभाग से संबंधित लिखित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए उनका निराकरण सुनिश्चित करें। लोक कल्याण शिविर में ग्रामीणों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी एवं विकास योजनाओं की जानकारी भी उपलब्ध कराई जाएगी।

उप मुख्यमंत्री ने ऊर्जा विभाग की 48वीं बैडमिंटन प्रतियोगिता का किया शुभारंभ



रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स रीवा में ऊर्जा विभाग की 48वीं राज्य स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। प्रतियोगिता का आयोजन मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड रीवा संभाग तथा खेल विभाग द्वारा किया जा रहा है। प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा कि ऊर्जा विभाग के इंजीनियरों और कर्मचारियों ने मध्यप्रदेश को कुछ ही वर्षों में बिजली कटौती वाले राज्य से बिजली बेचने वाला राज्य बना दिया है। अधिकारी अब बैटमिंटन में अपना कौशल दिखायेंगे। हार और जीत की चिंता किए बिना खेल की भावना से बैटमिंटन खेलें। खेल हमें स्वस्थ प्रतिस्पर्धा सिखाता है। उप मुख्यमंत्री ने प्रतियोगिता में भाग लेने बाहर से आए 14 टीमों के खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें बधेली व्यंजन का आनंद लेने और व्हाट टाइटल सफारी तथा रीवा के वाटर फॉल घूमने का

आमंत्रण दिया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि खेलों के आयोजन से ही स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की रौनक है। रीवा तेजी से विकास कर रहा है। अब यहाँ से भोपाल, कोलकाता, इंदौर, दिल्ली और रायपुर के लिए सीधी हवाई सेवा है। कार्यक्रम में अधीक्षक यंत्र बंके शुक्ला ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि रीवा में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जाना हम सबके लिए गौरव की बात है। प्रतियोगिता में ऊर्जा विभाग की तीनों कंपनियों के अधिकारियों और कर्मचारियों की 14 टीमों भाग ले रही हैं। इन्हें दो पूलों में बाँटकर

ऊर्जा विभाग के इंजीनियरों ने मध्यप्रदेश को कटौती वाले राज्य से बिजली सरप्लस राज्य बनाया

सिंगल्स और डबल्स की प्रतियोगिताएं होंगी। इसमें 45 वर्ष से अधिक आयु के खिलाड़ियों के लिए सीनियर वर्ग में भी अलग से मुकाबले होंगे। कार्यक्रम में मुख्य अभियंता श्रीमती प्रमा पाण्डेय, कार्यपालन यंत्री आशीष बैन, संभागीय खेल अधिकारी एमके धौलपुरी, विभाग के अन्य अधिकारी तथा प्रदेश भर से आए खिलाड़ी उपस्थित रहे।

सार-समाचार

अतिवृष्टि से गिरे घरों का सर्वे कर तत्काल राहत देने की मांग



गुड्ड, समय जगत। गुड्ड विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक राजेंद्र मिश्रा ने लगातार बारिश के बाद जलभराव की स्थिति सामान्य होने पर गुड्ड विधानसभा क्षेत्र के अतिवृष्टि प्रभावित ग्रामों का दौरा कर घर गिरने

से प्रभावित ग्रामीणों से मुलाकात की गई। ग्रामीणों ने बताया कि अतिवृष्टि के कारण उनके घर गिर गए हैं, लेकिन अभी तक शासकीय अमला मौके पर पहुंचकर उनकी सुध लेने नहीं पहुंचा है। प्रभावितों में ग्राम बदवार के लोलर कौल एवं अंबिका पटेल, ग्राम बरसेता के सूर्यमणि कुशवाहा, शंभु कुशवाहा, नागेंद्र मिश्र एवं सर्वेश मिश्र, ग्राम बांधी के बाबुलाल प्रजापति, द्विजी पांडेय, रामसखा द्विवेदी, रामायण द्विवेदी एवं विजय शंकर द्विवेदी तथा ग्राम इटार पहाड़ के भगमनिया कोल, गणेश कोल सहित अन्य ग्रामीण शामिल हैं। ग्रामीणों ने अतिवृष्टि से घर गिरने के बाद तत्काल राहत एवं सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है। दौरे के दौरान बदवार मोंड पर हुए सड़क हादसे में जान गंवाने वाले गुड्ड निर्वाचन क्षेत्र के राम मणि कोल के परिजनों से भी मुलाकात की गई। उनके पुत्र से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त की गई और इस दुख की घड़ी में परिवार को ढांडस बंधाया गया। इस दौरान सेक्टर प्रभारी संजोय द्विवेदी, पूर्व सरपंच अच्छलाल वर्मा, इटार पहाड़ के के.के. द्विवेदी एवं भोले कोल सहित अन्य लोग मौजूद रहे। इस दौरान विभिन्न गांवों में ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं और व्यथा सुनी गई तथा अतिवृष्टि से हुए नुकसान की जानकारी ली गई। शासन-प्रशासन से मांग की गई है कि अतिवृष्टि से प्रभावित परिवारों का शीघ्र सर्वे कराया जाए और पात्र पीड़ितों को तत्काल राहत राशि उपलब्ध कराई जाए। चेतावनी दी गई कि यदि एक सप्ताह के भीतर प्रभावित परिवारों का सर्वे नहीं कराया गया, तो उनकी समस्याओं को देखते हुए कांग्रेस पार्टी ग्रामीणों के साथ मिलकर आंदोलन करने का निर्णय लेगी।

गड्डों पर ओढ़ाया कफन, फोड़ी हड़िया, सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी



विदिशा, समय जगत। शहर की बदहाल और खुदी पड़ी सड़कों के साथ जगह-जगह बने गहरे गड्ढों को लेकर जिला कांग्रेस के तत्वाधान में नगर कांग्रेस ने अनोखे और उग्र अंदाज में विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ता दोपहर 12 बजे जिला कांग्रेस अध्यक्ष की अगुवाई में जिला कांग्रेस कार्यालय में एकत्रित हुए और नारेबाजी करते हुए शहर की मुख्य बाजार में सड़क के गड्ढों पर कफन ओढ़ाकर और हड़िया फोड़कर मातम मनाया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने कहा कि शहर की सड़कें अब आवागमन का साधन कम और दुर्घटनाओं को आमंत्रण देने वाला खतरा अधिक बन गई हैं। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गड्ढों के बीच पहुंचकर कफन ओढ़ाया और हड़िया फोड़ी, मानो सड़क हादसों में होने वाली संभावित जनहानि पर मातम मना रहे हों। प्रदर्शन के दौरान नगर पालिका एवं जिम्मेदार जनप्रतिनिधि के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई।

राजनीतिक फायदे के लिए दुखद घटना को हथियार ना बनाएं कांग्रेसी : वीरेंद्र गुप्ता

रीवा। भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता ने कल्पना मिश्रा के दुखद मौत पर कांग्रेस पार्टी द्वारा की जा रही राजनीति पर दुख जताते हुए कहा कि पूरी भाजपा कल्पना मिश्रा के परिजनों के दुख में उनके साथ खड़ी है प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्लजी ने अति संवेदनशीलता के



अत्यंत ही निंदनीय है कांग्रेसी नेताओं को कल्पना मिश्रा के परिवार पर हुए वज्रपात से नहीं बल्कि उनकी दिलचस्पी राजनीतिक इस्तेमाल से है कांग्रेस विधायक ने अपने बयान से मुखौटा उखाड़ दिया है अत्यंत दुखद घटना पर कांग्रेस के लोग राजनीतिक

घटना को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कदम उठाते हुए सख्त कार्यवाही का आदेश दिया और उच्च स्तरीय कमेटी का गठन कर निष्पक्ष जांच के लिए राज्य स्तरीय जांच दल का गठन किया जिसने त्वरित जांच शुरू की प्रथमदृष्टि ही कर्मचारियों पर कार्यवाही कर निर्लंबित किया गया डीनको भी स्थानांतरित किया गया मजिस्ट्रेट जांच का आदेश कराया गया साथ ही उपमुख्यमंत्री जी ने कल्पना मिश्रा के पिता और ससुराल जाकर दुख जाता कर उनके द्वारा जांच के निर्णय के अनुरूप दोषियों पर सख्त कार्यवाही का भरोसा दिया है और जांच में जो भी दोषी पाए जाएंगे उनके ऊपर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी किसी को बक्सा नहीं जाएगा।

भाजपा जिला अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस और उनके नेताओं द्वारा जिस तरह से राजनीतिक फायदे के लिए दुखद घटना को हथियार की तरह उपयोग कर रहे है वह

रोटी सेक रहे है वह अत्यंत ही दुर्भाग्यपूर्ण है बयान देकर विधायक ने बता दिया कि जिले में अशांति फैलाने के लिए मौत पर निष्पक्ष जांच के लिए राज्य स्तरीय जांच दल है श्री गुप्त ने कहा कि रीवा जिले की जनता कांग्रेस के चाल चरित्र को अच्छी तरह से जानती है कांग्रेस पार्टी झूठ बोलने और भ्रम फैलाने की मशीन बन कर रह गई है सेमरिया विधायक जिस तरह से अनर्गल प्रलाप कर रहे हैं उन्हें बताना चाहिए कि उन्होंने राजनीति के अलावा विकास के लिए क्याकिया है विधायक के पास जनता को बताने के लिए कोई उपलब्धि नहीं है इसलिए एक दो महीने में उनके द्वारा नकारात्मक राजनीति के माध्यम से रीवा के सोहार्दपूर्ण वातावरण को बिगड़ने का काम किया जाता है और अशांति फैलाने की नितय से अनेकित रूप से आंदोलन के माध्यम से घरों में घुसने अस्पताल में धरने सहित प्रदर्शन कराए जा रहे हैं।

निर्माणाधीन दो कॉमन एप्लुएंट कलेक्शन सम्प का किया निरीक्षण

प्रदूषित जल के समाधान के लिए कलेक्टर-एसपी ने किया मेघनगर क्षेत्र का निरीक्षण

झाबुआ। मेघनगर औद्योगिक क्षेत्र से निकलने वाले प्रदूषित जल के प्रभाव का मैदानी स्तर पर आकलन करने तथा समस्या के स्थायी समाधान के लिए कार्ययोजना तैयार करने के उद्देश्य से कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट एवं पुलिस अधीक्षक श्री देवेन्द्र पाटीदार ने शनिवार को मेघनगर एवं आसपास के प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने औद्योगिक इकाइयों से नालों में सीपेज के माध्यम से पहुंच रहे प्रदूषित जल को एकत्र कर उपचारित करने की व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने प्रदूषित जल के संग्रहण के लिए निर्माणाधीन दो कॉमन एप्लुएंट कलेक्शन सम्प (व्वउजव मॉस्सनमदज व्वससमबजपवद 'नउच') का

निरीक्षण किया। इन सम्प के माध्यम से औद्योगिक क्षेत्र से निकलने वाले एप्लुएंट को एकत्र कर कॉमन एप्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (बम्ज्) तक पहुंचाया जाएगा, जहां उसका निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार उपचार किया जाएगा। कलेक्टर डॉ. भरसट ने ज़टछ के अधिकारियों को निर्देश दिए कि दोनों कॉमन एप्लुएंट कलेक्शन सम्प का शेष निर्माण कार्य एवं आवश्यक कनेक्शन आगामी 7 दिवस के भीतर अनिवार्य रूप से पूर्ण किए जाएं, ताकि प्रदूषित जल को नालों में जाम न हो सके।



उसे उपचार के लिए बम्ज्व तक पहुंचाया जा सके। उन्होंने कार्य को प्राथमिकता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश

दिए। इसके पश्चात कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने झाड़झ क्षेत्र में प्रदूषित जल से प्रभावित नाले का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों से प्रदूषित जल के प्रवाह, उसके स्रोत एवं आसपास के क्षेत्र पर पड़ रहे प्रभाव के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। साथ ही झाड़झ स्थित इंटेक वेल का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर डॉ. भरसट ने झाड़झ में स्थित हैंडपंप को पीकर उसकी प्रत्यक्ष रूप से जांच की। हैंडपंप

अधिकारियों को क्षेत्र में पेयजल की गुणवत्ता पर सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने अनास नदी पर स्थित ज़टछ की जल प्रदाय व्यवस्था का भी निरीक्षण किया तथा जल प्रदाय की वर्तमान स्थिति एवं संबंधित व्यवस्थाओं की जानकारी ली। कलेक्टर डॉ. भरसट ने कहा कि निरीक्षण का उद्देश्य प्रदूषित जल के प्रभाव की वास्तविक स्थिति का मैदानी स्तर पर आकलन करने के साथ ही उसके प्रभावों एवं दीर्घकालीन समाधान के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करना है। उन्होंने संबंधित विभागों एवं एजेंसियों को समन्वय के साथ कार्य करते हुए औद्योगिक प्रदूषण की समस्या के समाधान के लिए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

संत रविदास जी महाराज जी की मनाई गई 650 वीं जयंती

पिपरिया, समय जगत। संत रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा समरसता संकल्प अभियान के तहत कलश वंदन यात्रा का



पिपरिया विधानसभा के ग्राम हथबास संत रविदास जी मंदिर पर पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया इस अवसर पर विधायक ठाकुरदास नागवंशी नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती नीना नवनीत नागपाल, पूर्व जिला अध्यक्ष माधव दास अग्रवाल, पूर्व जिला सतर्कता निगरानी सदस्य अरविंद राय, खापरखेड़ा मंडल अध्यक्ष राजा भैया पटेल, समाजसेवी भगत

जी अहिरवार, रामभरोस अहिरवार, पूर्व जनपद अध्यक्ष श्रीमती अर्चना साहू, अनिल साहू,, महिला मोर्चा जिला महामंत्री श्रीमती ममता नागवंशी, जनपद उपाध्यक्ष कुसुम लता पटेल, जिला पंचायत सदस्य ब्रजकिशोर पटारिया, जिला उपाध्यक्ष गोपाल दास दुदानी, रेखा शर्मा, पार्षद सरस्वती कोरी, मुकेश खटीक, राहुल सरकार पुरबिया, प्रदीप रघुवंशी, सुनील रघुवंशी, लखन राय, विजय दुबे, अमन कटकवार बाबूलाल ठेकेदार सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे

निवास/मण्डला। शिक्षक दिवस के अवसर पर विकासखंड निवास की विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं में शनिवार को उत्साह, गरिमा और हर्षोल्लास के साथ कार्यक्रम आयोजित किए गए। शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय निवास, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय निवास, हाईस्कूल बम्हनी एवं सांदीपनि विद्यालय निवास में विद्यार्थियों ने अपने गुरुओं का सम्मान कर गुरु-शिष्य परंपरा को जीवंत किया।

सांदीपनि विद्यालय में हुआ भव्य सम्मान समारोह: सांदीपनि विद्यालय निवास के ऑडिटोरियम में आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह में सांसद फगन सिंह कुलस्ते, विधायक चैन सिंह वरकड़े, भाजपा मंडल अध्यक्ष आकाश पांडेय,



जनपद अध्यक्ष मंजू कुलस्ते सहित अन्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित सेवानिवृत्त शिक्षक नवीन व्यवहार के शाल एवं श्रीफल से सम्मान के साथ हुई। इसके बाद हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्तर पर शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम देने वाले प्राचार्यों दिलीप गुप्ता, राकेश धर द्विवेदी, प्रेम किशोर तिवारी, वेद प्रकाश अवधिया, मुकेश जैन, अनुराग जैन, दीपक दुबे एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी सुनील कुमार दुबे का शाल-श्रीफल से सम्मान किया गया। सांदीपनि

मध्यप्रदेश शासन द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे बदलावों का उल्लेख किया। विधायक चैन सिंह वरकड़े ने भी शिक्षकों को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में सोरब द्विवेदी, अंकित साहू, युवा मोर्चा अध्यक्ष अभिषेक ठाकुर, कांग्रेस अध्यक्ष संजय जायसवाल, इलियास खान, कैलाश साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

उत्कृष्ट विद्यालय में विद्यार्थियों ने किया शिक्षकों का सम्मान: शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय निवास में भी विद्यार्थियों द्वारा शिक्षक दिवस समारोह उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। विकासखंड शिक्षा अधिकारी सुनील कुमार दुबे, सेवानिवृत्त शिक्षक नवीन व्यवहार, प्रभारी प्राचार्य राजेश मिश्रा सहित संस्था के शिक्षकों का विद्यार्थियों ने सम्मान किया। छात्राओं ने गीत एवं भाषण प्रस्तुत कर गुरु-शिष्य परंपरा और गुरु के महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम के दौरान छात्र देवू का जन्मदिन भी केक काटकर उत्साहपूर्वक मनाया गया।

शास्त्री स्कूल में आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की

कृष्ण स्वरूप में सजे नहे-मुन्ने, 132 विद्यार्थियों ने मटकी फोड़ में दिखाया उत्साह, बड़ी संख्या में बच्चों ने फैसी ड्रेस में लिया हिस्सा

पचोर। शास्त्री स्मृति विद्या मंदिर हायर सेकेंडरी स्कूल पचोर में जन्माष्टमी का उत्सव भक्ति, उल्लास और रंगारंग गतिविधियों के बीच मनाया गया। विद्यालय में कहीं नहे कृष्ण नजर आए तो कहीं राधा-कृष्ण की वेशभूषा में सजे बच्चे आकर्षण का केंद्र बने। कृष्ण जन्मोत्सव के दौरान आयोजित मटकी फोड़ प्रतियोगिता में कक्षा पहली से 12वीं तक के 132 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में 11 विद्यार्थियों ने मटकी फोड़कर सफलता हासिल की। प्रत्येक विजेता को संस्था की ओर से 101 रुपए की पुरस्कार राशि दी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय संचालक प्रतीक गोयल एवं प्राचार्य मनोहर बैरागी ने भगवान बालकृष्ण और मां सरस्वती के पूजन-अर्चन तथा दीप प्रज्वलन से किया। इसके बाद विद्यार्थियों ने भजन और नृत्य की प्रस्तुतियां देकर वातावरण को कृष्णमय बना दिया। छात्रा प्राची सिसोदिया ने भजन प्रस्तुत किया, जबकि प्रतिष्ठित शिक्षकमां की नृत्य प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया।

विद्यार्थियों को कृष्ण के जीवन से प्रेरणा लेने का संदेश: विद्यालय संचालक दीपक गोयल ने विद्यार्थियों को



भगवान श्रीकृष्ण के जीवन और उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण ने जीवन में अनेक संघर्षों और संकटों का सामना किया तथा प्रतिकूल परिस्थितियों को अपने अनुकूल बनाया। उनका जीवन साहस, कर्म, संघर्ष और सकारात्मक सोच की प्रेरणा देता है। विद्यार्थियों को उनके जीवन से सीख लेकर कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

62 बच्चे कृष्ण और उनसे जुड़े पात्रों की वेशभूषा में सजे: जन्माष्टमी के अवसर पर प्री-प्राइमरी एवं प्राइमरी कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए कृष्ण स्वरूप फैसी ड्रेस प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें 62 विद्यार्थियों ने भगवान श्रीकृष्ण और उनके जीवन से जुड़े पात्रों की आकर्षक वेशभूषा में सहभागिता की।

नर्सरी वर्ग में हर्षिता गुर्जर प्रथम, कृष्णवी यादव द्वितीय और विधान विश्वकर्मा तृतीय रहे। एलकेजी में रुचिका गुर्जर प्रथम, अद्विज सिसोदिया द्वितीय और दिव्या गुर्जर तृतीय स्थान पर रहे। यूकेजी में लवांश पांडेय प्रथम, वामिका जाटव द्वितीय और कार्तिक दुबे तृतीय रहे। कक्षा पहली में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की, जबकि कक्षा दूसरी में समृद्धि विश्वकर्मा प्रथम, श्रद्धा सेन द्वितीय और भाविका यादव तृतीय स्थान पर रहीं। प्रतियोगिता में शामिल सभी विद्यार्थियों को विद्यालय संचालक की ओर से पारितोषिक दिए गए। प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को आगामी वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में भी सम्मानित किया जाएगा।

मटकी फोड़ में 11 विद्यार्थियों ने मारी बाजी: मटकी फोड़ प्रतियोगिता में पृथ्वीराज रहेला, निकुंज सेन, मनीषा रेवारी, शहादत खान, अभिषेक सोधिया, खुशबू गुर्जर, आदित्य गुप्ता, धनिष्ठा शर्मा, दीपक परमार, योगेश शर्मा एवं निरखित शर्मा ने मटकी फोड़कर सफलता हासिल की। संस्था संचालक प्रतीक गोयल एवं प्रणव गोयल ने प्रत्येक विजेता विद्यार्थी को 101 रुपए की पुरस्कार राशि प्रदान की।

गीत, नृत्य और जयकारों से कृष्णमय हुआ परिसर: जन्मोत्सव के दौरान विद्यालय परिसर में दिनभर उत्साह का माहौल रहा। नहे विद्यार्थियों की कृष्ण वेशभूषा और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रही। गीत, भजन और कृष्ण के जयकारों से पूरा परिसर कृष्णमय नजर आया। विद्यार्थियों ने विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लेकर जन्माष्टमी का उत्सव मनाया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। संचालन शिक्षक अजय शर्मा, राहुल सक्सेना एवं राकेश राजपूत ने किया।

चाहे तो इसमें फैसी ड्रेस में शामिल सभी 62 बच्चों के नाम भी अलग बॉक्स में लगाकर इसे प्रकाशन के लिए और व्यवस्थित किया जा सकता है।

रूपारेल में नायब तहसीलदार ने किया अफलन प्रभावित फसलों का निरीक्षण

किसानों के आवेदनों की मौका जांच कर फसल की स्थिति का लिया जायजा



समय जगत, बोड़। ग्राम रूपारेल में किसानों द्वारा अफलन संबंधी दिए गए आवेदनों की मौका जांच के लिए नायब तहसीलदार मोतीलाल पंथी गांव पहुंचे। उन्होंने खेतों में पहुंचकर अफलन से संबंधित फसलों की स्थिति का निरीक्षण किया तथा मौके पर किसानों से चर्चा कर वस्तुस्थिति की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान नायब तहसीलदार ने किसानों द्वारा प्रस्तुत किए गए अफलन संबंधी आवेदनों के संबंध में मौके पर जानकारी जुटाई

और प्रभावित फसलों की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान ग्राम रूपारेल के किसान बंधु भी मौजूद रहे और उन्होंने अपनी फसलों से संबंधित समस्याओं से अधिकारी को अवगत कराया। किसानों ने बताया कि फसल में अफलन की स्थिति के चलते उन्हें नुकसान की चिंता है। वहीं प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा मौके पर पहुंचकर फसलों का निरीक्षण किए जाने से किसानों को उनकी समस्या के निराकरण एवं उचित कार्रवाई की उम्मीद जगी

न्यूसेंस एलिमेंट से सख्ती से निपटें, माहौल बिगाड़ने वालों पर हो सख्त कार्यवाही: कटेसरिया

रतलाम । आगामी त्रौहारां को दृष्टिगत रखते हुए जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कलेक्टर श्री अजय कटेसरिया एवं पुलिस अधीक्षक श्री अमित कुमार ने संयुक्त रूप से कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक ली। बैठक में आगामी अनंत चतुर्दशी सहित अन्य त्रौहारां के दौरान सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था के संबंध में विस्तृत समीक्षा की गई और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री कटेसरिया ने कहा कि जिले में कानून व्यवस्था के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाए। न्यूसेंस एलिमेंट से सख्ती से निपटें। ऐसे तत्व जो माहौल बिगाड़ने का प्रयास करते हैं, आपस में झगड़ा करते हैं अथवा अनावश्यक रूप से भीड़ एकत्रित कर शांति व्यवस्था प्रभावित करते हैं,



उनके विरुद्ध तत्काल वैधानिक कार्रवाई की जाए और आवश्यकानुसार मुकदमा दर्ज किया जाए। कलेक्टर एवं एसपी ने निर्देश दिए कि जिले के गुंडा तत्वों को बॉन्ड ओवर करने की कार्रवाई प्रभावी रूप से की जाए। बॉन्ड ओवर का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई करते हुए उन्हें जेल भेजने की कार्रवाई की जाए। आदतन अपराधियों एवं लगातार कानून व्यवस्था प्रभावित करने वाले तत्वों के विरुद्ध जिला बदर की कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाए और आवश्यकानुसार मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई की जाए।

जाए। बैठक में जमीन विवाद से जुड़े मामलों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जमीन विवाद के मामलों में राजस्व एवं पुलिस विभाग आपसी समन्वय से संयुक्त रूप से कार्रवाई करें, ताकि विवादों के कारण कानून व्यवस्था की स्थिति निर्मित न हो। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार का अतिक्रमण हो, चाहे पक्का हो अथवा कच्चा, उसे हटाने की कार्रवाई में किसी भी प्रकार की कोताही नहीं बरती जाए। कलेक्टर ने किसानों द्वारा की जाने वाली वसूली संबंधी शिकायतों में जीरो टॉलेंस की नीति अपनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आम जनता द्वारा इस संबंध में शिकायत किए जाने पर शिकायत का तत्काल संज्ञा लेकर नियमानुसार मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई की जाए।

पीड़ित आदिवासी परिवारों को पचास-पचास लाख रुपए और एक सदस्य को दी जाए शासकीय नौकरी: कांग्रेस

जिला कांग्रेस आदिवासी प्रकोष्ठ ने राष्ट्रपति के नाम कलेक्ट्रेट में सौंपा ज्ञापन

छिन्दवाड़ा, समय जगत। प्रदेश की भाजपा सरकार की लचर स्वास्थ्य व्यवस्था के चलते बालाघाट जिले के आदिवासी अंचल बैहर, बिरसा व परसवाड़ा तहसील के 30 बैगा आदिवासी मासूम बच्चों का दुखद निधन प्रदेश सरकार पर सबसे बड़ा कलंक है। लगातार बच्चों की जानें जाती रही और सरकार सत्ता के मद में चूर रही। प्रत्येक पीड़ित परिवार को 50-50 लाख रुपए की अनुग्रह राशि व प्रत्येक परिवार के एक सदस्य को शासकीय नौकरी दिए जाने की मांग छिन्दवाड़ा जिला कांग्रेस आदिवासी प्रकोष्ठ ने उठाई है। जिला कांग्रेस आदिवासी प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों का कार्यक्रमताओं ने कलेक्ट्रेट गेट पर पहुंचकर भाजपा सरकार के खिलाफ आदिवासी विरोध होने का आरोप लगाते हुए ज्ञापन सौंपा। प्रस्तुत ज्ञापन के माध्यम से



कहा कि बालाघाट के आदिवासी अंचल में निवासरत अतिविशेष राष्ट्रीय मानव जनजाति घोषित बैगा समाज के पिछले दो माह में 30 बैगा आदिवासी बच्चों का दुखद निधन हो गया। इस गम्भीर स्वास्थ्य संकट के कारण पूरे क्षेत्र में शोक और भारी आक्रोश है। क्योंकि तेज बुखार सहित अन्य बीमारी से ग्रस्त बच्चों को भाजपा सरकार की घोर उदासीनता और स्वास्थ्य विभाग के बुनियादी ढांचे में कमी के चलते बच्चों की मौत हो गई। स्थिति इतनी चिंताजनक है कि तीन-तीन बच्चों का इलाज एक ही बैड पर

होगा है। वर्तमान में 130 बच्चे गम्भीर बीमार हैं जिनका इलाज जारी है, लेकिन वह भी संतोषजनक नहीं है। इलाज में गम्भीर लापरवाही बरती जा रही है। पीड़ित परिवारों को महज 02 लाख रुपए की सहायता राशि प्रदान की जा रही है जो पर्याप्त नहीं है। प्रत्येक परिवार को कम से कम 50-50 लाख रुपए की सहायता राशि व प्रत्येक परिवार से एक सदस्य को शासकीय नौकरी प्रदान की जाए। प्रभावित क्षेत्र में पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई जाए साथ ही ग्रामीण अंचलों में परिहहन की सुविधाओं को तत्काल सुलभ करते हुए बहाल किया जाए। जिला कांग्रेस आदिवासी प्रकोष्ठ, मप्र आदिवासी विकास परिषद, सर्व आदिवासी समाज के संयुक्त तत्वावधान में ज्ञापन प्रस्तुत किया गया।

गुरुजनों के पद प्रक्षालन और महाआरती के साथ 40 शिक्षकों का हुआ सम्मान

समय जगत, इटारसी। शिक्षक दिवस के अवसर पर पत्रकार एवं समाजसेवी प्रमोद पगारे द्वारा संस्थापित एवं प्रवर्तित विपिन जोशी स्मारक समिति का 42वां राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान समारोह शनिवार को द पार्क रिजॉर्ट इटारसी में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में मध्यप्रदेश सहित देश के विभिन्न क्षेत्रों से चयनित 40 श्रेष्ठ शिक्षकों एवं गुरुजनों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम आचार्य पंडित सोमेश परसाई के सानिध्य में आयोजित हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. अजय गोयनका, चेयरमैन चिरगु हॉस्पिटल एंड मेडिकल कॉलेज, अति विशिष्ट अतिथि अजय गुप्ता, पूर्व एडिशनल एडवोकेट जनरल तथा विशेष अतिथि उषा खरे (केबीसी फेम) सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। समारोह की शुरुआत गुरुजनों के पद प्रक्षालन एवं महाआरती के साथ हुई। विपिन जोशी स्मारक समिति के सदस्यों एवं अतिथियों ने सम्मानित शिक्षकों के चरण परखारकर उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। इसके बाद सभी चयनित शिक्षक-शिक्षिकाओं को ट्रॉफी, शाल-श्रीफल, सम्मान पत्र एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया।



समिति की ओर से प्रदान की जाने वाली चलिता ट्रॉफी भी प्रदान की गई।

सरस्वती पुत्र सम्मान: 42वें राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान समारोह में इस वर्ष सर्वोच्च सरस्वती पुत्र सम्मान से कोलकाता के डॉ. सुजय कुमार मंडल को नवाजा गया है। उन्होंने 25 छात्रों का डॉक्टरेट और 15 का एम.फिल. के लिए मार्गदर्शन किया है। अभी 8 छात्र उनके मार्गदर्शन में पीएच.डी. कर रहे हैं। उन्होंने 5 पुस्तकों सहित लगभग 140 शोधपत्रों का प्रकाशन किया है। वे वेब्लू रामकृष्ण मिशन, स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय में भी सेवाएं दे चुके हैं। वर्तमान में वे कल्याणी विश्वविद्यालय के लोककथा, संस्कृत विभाग अध्यक्ष के रूप में पदस्थ हैं।

ज्ञान गंगा सम्मान: इस वर्ष का ज्ञान गंगा

सम्मान मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान भोपाल के डॉ. गौरव द्विवेदी को दिया गया है। उन्होंने ऊर्जा एवं नवीनीकरण ऊर्जा के क्षेत्र में शिक्षण एवं शोध के साथ विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की उपलब्धियां प्राप्त की हैं। इनमें ऊर्जा के क्षेत्र में काम करने वाले प्रमुख वैज्ञानिकों में शीर्ष 2 प्रतिशत में स्थान, यंग साईंटिस्ट अवार्ड, भारतीय पेटेंट प्रकाशित, 120+ शोधपत्र प्रकाशित तथा विभिन्न पुस्तकें प्रकाशित करना आदि उपलब्धियां शामिल हैं।

शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता है सम्मान: मुख्य अतिथि डॉ. अजय गोयनका ने कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान प्रदान नहीं करते, बल्कि विद्यार्थियों के जीवन की दिशा निर्धारित करते हैं। समाज में गुरु के योगदान का सम्मान वास्तव में आने वाली पीढ़ियों के

निर्माण के प्रति सम्मान है। अति विशिष्ट अतिथि अजय गुप्ता ने शिक्षक और विद्यार्थी के संबंध तथा जीवन निर्माण में गुरु की भूमिका पर विचार व्यक्त किए। विशेष अतिथि श्रीमती उषा खरे ने भी शिक्षकों के योगदान को नमन करते हुए अपने विचार रखे। आचार्य पंडित सोमेश परसाई ने गुरु परंपरा की महत्ता बताते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सदैव सर्वोच्च रहा है। उन्होंने कहा कि गुरुजनों का सम्मान भारतीय संस्कार और परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

ऐसा सम्मान कहीं नहीं: समिति के संस्थापक एवं संरक्षक प्रमोद पगारे ने कहा कि शिक्षक सम्मान के कार्यक्रम अनेक स्थानों पर होते हैं, लेकिन शिक्षकों के पद प्रक्षालन और महाआरती के माध्यम से उनका अभिनंदन करने की परंपरा विपिन जोशी स्मारक समिति के आयोजन की विशिष्ट पहचान है। समिति अध्यक्ष अधिवक्ता रमेश के. साहू ने कहा कि शिक्षक लगातार 42 वर्षों से राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान समारोह के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित कर रही है।